RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 117 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- | बेंगलूरु » शुक्रवार » 21-11-2025 | www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत के लिये हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं : यादव

6 लोकतंत्र की कसौटी पर चुनाव आयोग

7 धनुष के साथ और भी फिल्मों में काम करना चाहती हैं कृति सेनन

प्रधानमंत्री मोदी और शाह की मौजूदगी में

नीतीश 10वीं बार बने बिहार के मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नई सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं।''

समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया।

शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की। इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं।

शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे।

मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं।

ईडी ने अनिल अंबानी के रिलायंस समूह की करोड़ों की की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से संबंधित धन शोधन की जांच के तहत 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने पहले इस मामले में 7,500 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की थी।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शाही खेल

जब आता मौका चुनाव का,
खेल रहे सब चोर सिपाही।
कभी सिपाही वे बन जाएं,
कभी चोर के वो हमराही।
जीत हार का प्रश्न नहीं है,
सिर्फ समय की आवाजाही।
जनता तो दर्शक है केवल,
खेल सभी का है यह शाही।।

हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं नक्सली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंबिकापुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश भर के नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित 'बस्तर ओलंपिक' में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे।

मुर्मू ने कहा, ''महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज आगे बढ़ता है।'

अब सूडान में गृहयुद्ध समाप्त करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह सूडान में जारी भीषण गृहयुद्ध को समाप्त करने में मदद पर अधिक ध्यान देने की योजना बना रहे हैं।

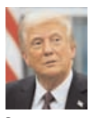

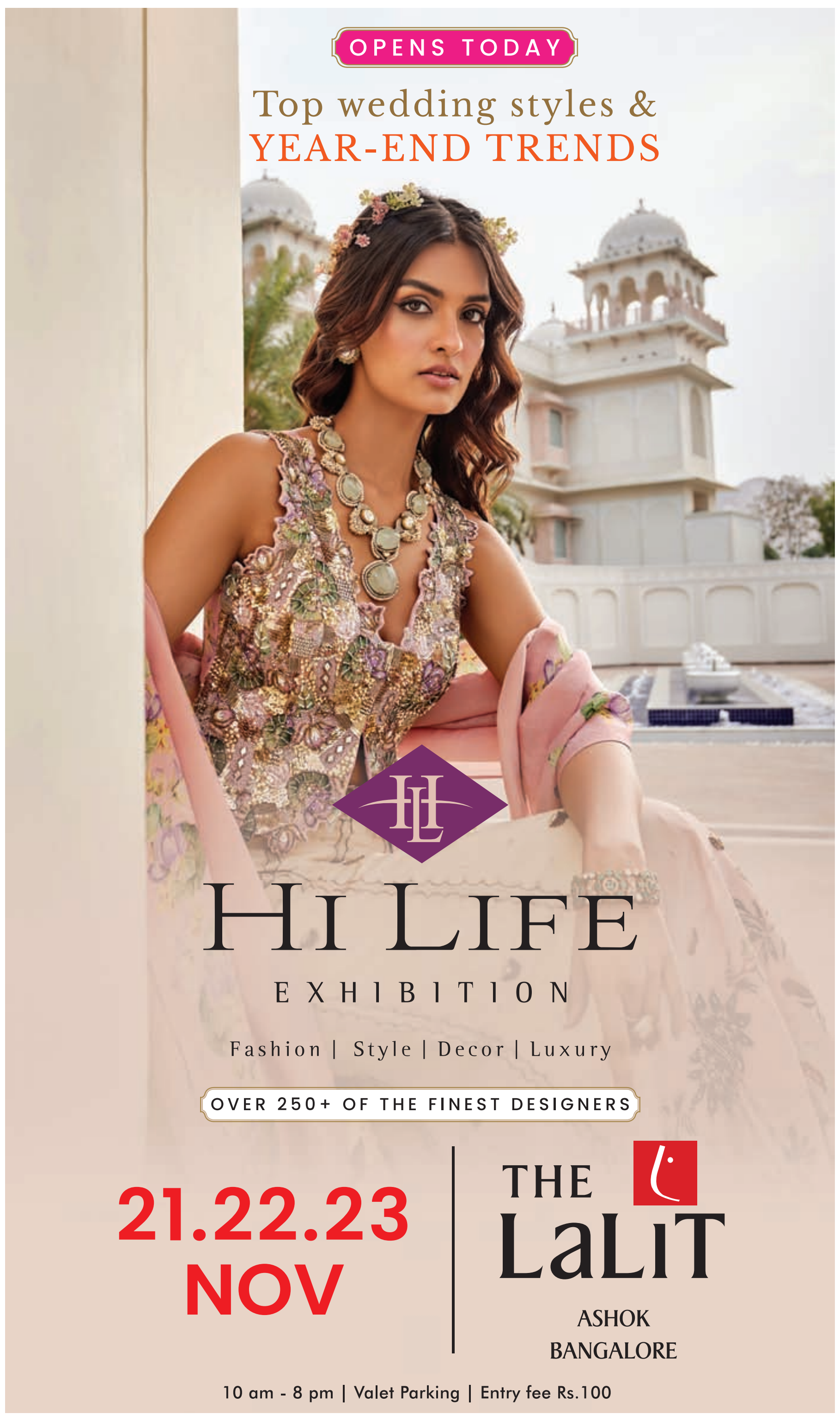

सम्मान दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु टेक समिट (बीटीएस) 2025 का 28वां संस्करण गुरुवार को बेंगलूरु इंटरनेशनल एक्जीबिशन सेंटर (बीआईईसी) में संपन्न हुआ, जिसने तीन दिनों के उच्च-प्रभाव वाले नवाचार और वैश्विक सहयोग का इतिहास रचा गया। कर्नाटक सरकार बेंगलूरु टेक समिट 2025 के दौरान फ्यूचर मेकर्स कॉन्क्लेव में अग्रणी स्टार्टअप संस्थापकों को सम्मानित किया जिन्होंने एक अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। समारोह में एक्सेल के पार्टनर प्रशांत प्रकाश, केओनिक्स के चेयरमैन शरत कुमार बच्चे गौड़ा, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खरगे, सचिव डॉ. मंजुला एन. ने जेप्टो की सहसंस्थापक कैवल्य वोहरा, रैपिड़ो सह संस्थापक पवन गुंटुपल्ली, एथर एनर्जी के सहसंस्थापक स्वप्निल जैन जंबोटेल के सहसंस्थापक एस.कार्तिक वेंकटेश्वरन एवं आशीष जिन्हा, नवी के एमडी और सीईओ राजीव नरेश, ब्लूस्टोन के संस्थापक एवं सीईओ गौरव सिंह खुशवाहा आदि का सम्मान किया गया।

गुरु जयन्तसेनसूरी जन्मभूमि पर हुआ जयन्तसेनसूरी जन्मोत्सव का आयोजन

अनेक धार्मिक व मानवसेवा कार्य आयोजित

पेपराल (गुजरात)। सौधर्म बृहत्तपागच्छीय राजेन्द्रसूरी महाराजा के शिष्य गुरुदेव श्रीमद् विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म.सा. के 90वें जन्मदिन पर मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी की निश्रा में गुरु जयन्तसेन जन्म भूमि पेपराल तीर्थ पर 18 नवंबर को गुरु जयन्तसेन जन्मोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें गुणानुवाद सभा सहित विभिन्न आयोजन हुए।

कार्यक्रम में थराद, डिसा, अहमदाबाद, लाखणी, वासणा, नारोली, धानेरा, पेपराल सहित त्रिस्तुतिक जैन संघ के अनेक संघ के सदस्य उपस्थित रहे। जयन्तसेनसूरी शासन प्रभावक ट्रस्ट पेपराल तीर्थ आयोजित इस कार्यक्रम में जन्मोत्सव निमित्त गुरु पूजन, पारणा झूलाने का एवं 90 दीप प्रज्वलित करने का लाभ रमेशभाई चंदुलाल परिवार ने लिया एवं गुहंली करने का लाभ प्रवीणकुमार चिमनलाल परिवार ने लिया। गुरुदेव की सुबह की आरती का लाभ रमेशभाई धर्माजी नाई परिवार ने लिया,शाम की आरती का लाभ सवीताबेन मफतलाल संघवी परिवार ने लिया।

कार्यक्रम में पेपराल स्कूल के 300 से अधिक बच्चों ने उपस्थित रहकर नवकार महामंत्र का जाप एवं गुरु भक्ति के गीत गाए,इस प्रसंग पर गुणानुवाद सभा में उपस्थित लोगों ने स्कूल के लिए नगद राशि प्रदान की एवं बच्चों को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम की पुर्णाहुति पर अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन महिला परिषद् शाखा डिसा की ओर बच्चों को मिठाई खिलाई गई। गुरु जन्मोत्सव प्रसंग पर अनेक तपस्वियों ने अठम तप की तपस्या की। कार्यक्रम का संचालन डिसा त्रिस्तुतिक जैन संघ के महामंत्री जगदीश दोशी ने किया।

पंजाब कांग्रेस ने 'वोट चोरी' के खिलाफ 27 लाख हस्ताक्षर एकत्र किए

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की पजाब इकाई ने पार्टी के 'वोट चोर-गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान के तहत बुधवार को लगभग 27 लाख हस्ताक्षर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दिए और दावा किया कि यह सीमावर्ती प्रदेश 'वोट चोरी' को जरूर रोकेगा। पार्टी महासचिव और पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा बराड वडिंग तथा विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने ये हस्ताक्षर कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को सौंपे। इस मौके पर बघेल ने संवाददाताओं से कहा कि 'वोट चोर-गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान के तहत पंजाब से करीब 27 लाख आवेदन भरे गए हैं, जिन्हें वेणुगोपाल को सौंपा गया। वडिंग ने आरोप लगाया कि सरकार देश के संविधान में दिए गए वोट के अधिकार के साथ खिलवाड़ कर रही है। बाजवा ने कहा, ''पंजाब के लोग वोट चोरी को रोकेंगे।''

'भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेल अवीव/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं।'' यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है।

पीयूष गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे।

मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश

गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व शामिल हैं।

गोयल ने कहा, ''भारत निवेशकों के अनुकूल और व्यापार के लिए एक भरोसेमंद माहौल प्रदान करता है। यह दोनों पक्षों की कंपनियों के लिए काफी अवसर प्रदान करता है।''

इसी कार्यक्रम में बरकत ने कहा कि भारतीय बुनियादी ढांचा कंपनियां यहां आकर बोली लगा सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) भी सहयोग बढ़ाने का एक अवसर प्रदान करता है।

एक अग्रणी पहल के रूप में प्रस्तुत, आईएमईसी का उद्देश्य सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन नेटवर्क स्थापित करना है ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच एकीकरण सुनिश्चित हो सके।

सितंबर, 2023 में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान आईएमईसी पहल को अंतिम रूप दिया गया था।

इजराइल को भारत का निर्यात 2024-25 में 52 प्रतिशत घटकर 2.14 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले 4.52 अरब डॉलर था। आयात भी 26.2 प्रतिशत घटकर 1.48 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।

भारत को इजराइल से अप्रैल, 2000 और जून, 2025 के दौरान 33.78 करोड़ डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ।

दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी ही और भारतीय बैंक होंगे शामिल : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे।

मल्होत्रा ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान देने के बाद छात्रों से बातचीत में कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''...सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे।'' वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं।

ये दोनों बैंक क्रमशः 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था, ''यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।''

'रुपए के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से इसमें गिरावट'

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपए के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का ''काफी अच्छा'' भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

डेढ़ गुना बढ़ी टीबी रोगियों की संख्या;2025 तक था बीमारी को खत्म करने का लक्ष्य : आरटीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गयी है। 2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी।

सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत समाचार एजेंसी भाषा द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है।

आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में 21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे। ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गयी। आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे।

आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे।

हमारा लक्ष्य मार्च 2026 तक आंध्र को माओवाद-मुक्त बनाना है: डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजमुंदरी (आंध्र प्रदेश)/ भाषा। आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरीश कुमार गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि पुलिस केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार, मार्च 2026 तक राज्य को माओवाद मुक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है।

हरीश कुमार गुप्ता ने पूर्वी गोदावरी जिले में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए आवश्यक अधिकांश औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं।

साथ ही उन्होंने माओवादी कैडरों से आत्मसमर्पण करने का आह्वान दोहराया और चेतावनी दी कि जो लोग ऐसा नहीं करेंगे, उन्हें खत्म कर दिया जाएगा। पुलिस महानिदेशक ने याद दिलाया

कि आत्मसमर्पण का आह्वान जून में हुई एक मुठभेड़ के बाद किया गया था जिसमें प्रमुख माओवादी मारे गए थे।

गुप्ता ने कहा, हम एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। भारत सरकार ने इस राज्य को मार्च 2026 तक माओवाद मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है और लगभग सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। राज्य के विकास और सुरक्षित रहने की कामना करते हुए उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आंध्र प्रदेश या किसी भी समाज में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

पुलिस विभाग की विभिन्न शाखाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए गुप्ता ने कहा कि उन्होंने राज्य में शरण लेने के लिए घुसे 50 माओवादी कैडरों की गिरफ्तारी में योगदान दिया। इन गिरफ्तारियों के अलावा, पुलिस ने हाल में अल्लूरी सीतारामाराजू जिले के मारेडुमिली मंडल में 13 माओवादियों को ढेर किया था और छह को 18 नवंबर को और सात को 19 नवंबर को मार गिराया। गुप्ता ने यह भी कहा कि इन अभियानों के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री जब्त की गई।

गुप्ता ने उल्लेख किया कि आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित चार से पांच राज्यों के पुलिस बल मार्च 2026 तक माओवाद को खत्म करने के लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं।

भारत में 5जी ग्राहकों की संख्या 2031 तक एक अरब के पार पहुंचने का अनुमान: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। देश में 2031 के अंत तक 5जी ग्राहकों की संख्या एक अरब के पार पहुंच सकती है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

एरिक्सन मोबिलिटी की यह रिपोर्ट भारत में सेवा के लगातार बढ़ते उपयोग को रेखांकित करती है जहां प्रति स्मार्टफोन मोबाइल डेटा का इस्तेमाल सबसे अधिक है। उल्लेखनीय है कि भारत में प्रति सक्रिय स्मार्टफोन मोबाइल डेटा इस्तेमाल 2031 तक 65 जीबी प्रति माह तक पहुंचने का अनुमान है जबकि अभी यह वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक 36 जीबी प्रति माह है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में 5जी अपनाने की गति तेजी से बढ़ रही है। 2025 के अंत तक इसके ग्राहकों की संख्या 39.4 करोड़ तक पहुंच जाएगी जो कुल मोबाइल कनेक्शन का 32 प्रतिशत होगी। इसमें अनुमान लगाया गया कि 2031 के अंत तक वैश्विक स्तर पर 5जी ग्राहकों की संख्या 6.4 अरब हो जाएंगी जो सभी मोबाइल कनेक्शन का दो-तिहाई हिस्सा होगा।

एरिक्सन इंडिया के प्रबंध निदेशक नितिन बंसल ने कहा, ''भारत में प्रति सक्रिय स्मार्टफोन मोबाइल डेटा इस्तेमाल 36 जीबी प्रति माह है। यह दुनिया में सबसे अधिक है और 2031 तक इसके बढ़कर 65 जीबी प्रति माह होने का अनुमान है।'' उन्होंने कहा कि 5जी पहले से ही देश में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के रूप में काम कर रहा है।

अस्सी प्रतिशत से अधिक दिव्यांग जनों के पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है : एनजीओ श्वेत पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजन बीमा दायरे से बाहर हैं। बृहस्पतिवार को जारी एक श्वेत पत्र में यह जानकारी दी गयी। श्वेत पत्र के अनुसार, कानूनी संरक्षणों के बावजूद बीमा के लिए आवेदन करने वाले आधे से अधिक व्यक्तियों के आवेदन बिना किसी स्पष्टीकरण के ही खारिज कर दिए जाते है।

नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसेबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) द्वारा जारी सभी के लिए समावेशी स्वास्थ्य कवरेज : भारत में स्वास्थ्य बीमा एवं भेदभाव रिपोर्ट को बृहस्पतिवार को एक गोलमेज बैठक में पेश किया गया। इस बैठक में नीति निर्माताओं, बीमा क्षेत्र के प्रतिनिधियों और दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

देशभर के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5,000 से अधिक नमूनों के साथ दिव्यांगजनों पर किए गए सर्वेक्षण के आधार पर, अध्ययन में आगाह किया गया है कि गहरी प्रणालीगत असमानताएं अब भी लगभग 16 करोड़ दिव्यांग भारतीयों को सार्वजनिक और निजी दोनों, बीमा योजनाओं से बाहर रखती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं के पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं था, जबकि बीमा के लिए आवेदन करने वालों में से 53 प्रतिशत ने बताया कि उनके आवेदन खारिज कर दिए गए।

उत्तर देने वाले कई लोगों ने बताया कि उन्हें केवल उनकी दिव्यांगता के कारण बीमा देने से इनकार कर दिया गया। ऑटिज़्म, मनोसामाजिक एवं बौद्धिक दिव्यांगता और थैलेसीमिया जैसे रक्त विकारों वाले व्यक्तियों के बीमा के लिए आवेदन अस्वीकृति की दर विशेष रूप से अधिक पाई गई।

रिपोर्ट में कहा गया कि संविधान में दिए गए प्रावधानों, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 और भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के बार-बार जारी निर्देशों के बावजूद यह स्थिति बनी हुई है।

विधेयकों पर राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समयसीमा तय नहीं की जा सकती: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में राज्यपाल एवं राष्ट्रपति के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की जा सकती।

शीर्ष अदालत ने अपने बहुप्रतीक्षित फैसले में कहा कि उच्चतम न्यायालय भी विधेयकों को मंजूरी प्रदान नहीं कर सकता। अपने सर्वसम्मत फैसले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने यह भी कहा कि राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा, ''हमें नहीं लगता कि राज्यपालों के पास राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर रोक लगाने की असीमित शक्ति है।'' इस पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल थे।

उसने कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राज्यपालों के लिए समय-सीमा तय करना संविधान द्वारा प्रदत्त लचीलेपन के विरुद्ध है। प्रधान न्यायाधीश ने फैसले का मुख्य भाग पढ़ते हुए कहा कि अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपालों के पास तीन विकल्प हैं - विधेयकों को मंजूरी देना, उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना या मंजूरी रोककर अपनी टिप्पणियों के साथ उन्हें विधानसभा को वापस भेजना।

पीठ ने कहा, ''चूंकि संविधान में राज्यपाल के अधिकारों के उपयोग के लिए कोई समयसीमा या उसके इस्तेमाल का तरीका निर्धारित नहीं है, ऐसे में इस न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत इन अधिकारों के प्रयोग के लिए समयसीमा तय करना उपयुक्त नहीं होगा।'' तमिलनाडु सरकार की याचिका पर निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की अगुवाई वाली पीठ ने इस वर्ष अप्रैल में यह निर्धारित किया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर तीन महीने में मंजूरी देनी होगी। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उच्चतम न्यायालय के आठ अप्रैल के फैसले पर उठाए गए 14 महत्वपूर्ण सवालों पर विचार करने पर सहमति जताई।

मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए कहा था कि वर्तमान परिस्थितियों में कुछ कानूनी प्रश्न खड़े हुए हैं जो अपने स्वरूप और सार्वजनिक महत्व के कारण ऐसे हैं कि उन पर न्यायालय की राय लेना आवश्यक हो जाता है। अनुच्छेद 143(1) राष्ट्रपति को उच्चतम न्यायालय से सलाह लेने का अधिकार प्रदान करता है।

पीठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि संवैधानिक अधिकारों के इस्तेमाल और राष्ट्रपति/राज्यपाल के आदेशों को किसी भी रूप में अनुच्छेद 142 के तहत प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। उसने कहा, ''हम स्पष्ट करते हैं कि संविधान, विशेष रूप से अनुच्छेद 142 भी विधेयकों की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) की अवधारणा की अनुमति नहीं देता है।'' अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का व्यापक अधिकार देता है। पीठ ने कहा, ''अनुच्छेद 200 का पहला प्रावधान इसके मुख्य प्रावधान से ही जुड़ा हुआ है और किसी चौथे विकल्प की पेशकश करने के बजाय मौजूदा विकल्पों को सीमित करता है। महत्वपूर्ण रूप से तीसरा विकल्प-मंजूरी रोककर विधेयक को टिप्पणियों के साथ वापस भेजना- राज्यपाल के लिए तभी उपलब्ध होता है जब वह वित्त विधेयक न हो।'' उसने कहा कि राज्यपाल इन तीन संवैधानिक विकल्पों में से किसी एक को चुनने का विवेकाधिकार रखते हैं और अनुच्छेद 200 के तहत अधिकारों का इस्तेमाल करते समय मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे नहीं होते। उसने कहा, ''अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के कार्यों का निष्पादन न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आता। अदालत ऐसे किसी निर्णय के गुण-दोष की समीक्षा नहीं कर सकती।''

पीठ ने कहा कि यदि राज्यपाल की निष्क्रियता अत्यधिक लंबी, अस्पष्ट और अनिश्चितकाल तक बनी रहे तो ऐसे असाधारण हालात में न्यायालय निर्णय के गुण-दोष पर टिप्पणी किए बिना, संविधान के तहत राज्यपाल को उचित समय के भीतर अपना दायित्व निभाने के लिए सीमित आदेश जारी कर सकता है। उसने अनुच्छेद 361 का हवाला देते हुए कहा कि राज्यपाल को व्यक्तिगत रूप से न्यायिक कार्यवाही के अधीन करने संबंधी न्यायिक समीक्षा पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसमें कहा गया है, ''हालांकि अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की लंबी अवधि तक बनी रहने वाली निष्क्रियता की स्थिति में, इस न्यायालय को प्राप्त सीमित न्यायिक समीक्षा के दायरे को नकारने के लिए इस प्रावधान का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।'' पीठ ने स्पष्ट किया कि राज्यपालों को व्यक्तिगत छूट प्राप्त है लेकिन उनका संवैधानिक पद न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अधीन है।

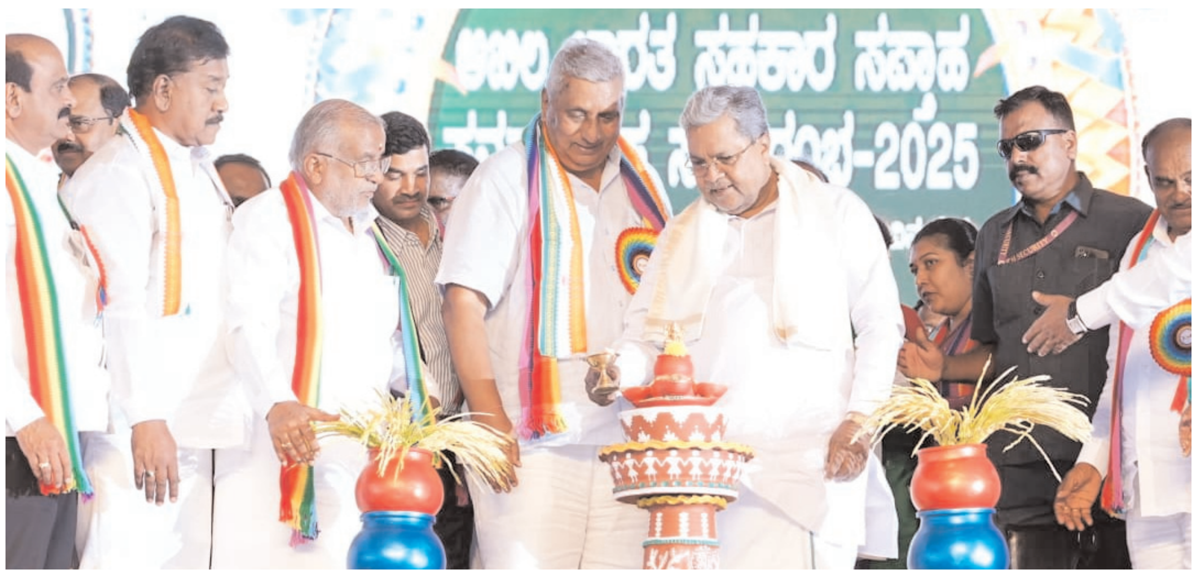

सिद्दरामय्या ने 'नवंबर क्रांति' को खारिज किया, बताया मीडिया की 'उपज'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 'नवंबर क्रांति' की खबरों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को इस शब्द को मीडिया की उपज बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी स्थिति शुरुआत से ही मजबूत रही है और भविष्य में भी ऐसी ही बनी रहेगी। कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें चल रही थीं, जिनमें दावा किया जा रहा था कि सिद्दरामय्या उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपना पद छोड़ सकते हैं। कुछ लोगों ने संभावित बदलाव को 'नवंबर क्रांति' का नाम दिया था।

सिद्दरामय्या ने यहां पत्रकारों से कहा, आपने (मीडिया ने) इस शब्द को गढ़ा है। आपने यह 'क्रांति' गढ़ी है। इसलिए, न कोई 'क्रांति' है और न कोई 'भ्रांति'। हमें शासन करने के लिए पांच साल का कार्यकाल दिया गया है। पांच साल बाद, चुनाव होंगे और हम एक बार फिर जीतेंगे।

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि लोगों ने कांग्रेस को पांच साल के लिए सत्ता सौंपी है। सत्ता बंटवारे की चर्चाओं पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा, लोगों ने हमें पांच साल तक शासन करने का जनादेश दिया है। हम ईमानदारी से उन पांच गारंटियों (गृह लक्ष्मी, शक्ति, गृह ज्योति, अन्न भाग्य और युवा निधि) को पूरा करने का प्रयास करेंगे जिनका हमने वादा किया है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह पूरे पांच साल तक पद पर रहेंगे, सिद्दरामय्या ने कहा, इसका क्या मतलब है? ये अनावश्यक चर्चाएं हैं मैंने पार्टी आलाकमान को बताया था कि ढाई साल बीतने जरूरी थे, जिसके बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल पर विचार किया जा सकता है। इसके बाद ही सत्ता-बंटवारे के बारे में ये चर्चाएं शुरू हुईं। जब उनसे पूछा गया कि क्या मंत्रिमंडल में फेरबदल की कोई तारीख तय की गई है, तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के साथ चर्चा कर रहे हैं।

चामराजनगर हेलीपैड पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं चामराजनगर इसलिए आता हूं क्योंकि मैं अंधविश्वास और अफवाहों में विश्वास नहीं करता। मैं राज्य के सभी जिलों को एक समान मानता हूं और सभी जिलों का दौरा करता हूं। यह एक अंधविश्वास है कि अगर आप चामराजनगर आएंगे तो आपकी पद (सीट) चला जाएगा। मैं इसी अंधविश्वास को दूर करने के लिए यहां आया हूं और मैंने कहा कि पद अभी और भविष्य में भी सुरक्षित रहेगा।

महिला ने कुल्हाड़ी से बेटी पर हमला किया

बेंगलूरु। पूर्वोत्तर बेंगलूरु के एक मंदिर के अंदर 25 वर्षीय महिला पर उसकी मां द्वारा कुल्हाड़ी से हमला किए जाने के बाद पुलिस इसकी मानव बलि के एक संदिग्ध मामले के तौर पर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार दोपहर को हुई।

थानिसांद्रा मेन रोड पर अग्रहारा लेआउट स्थित हरिहरेश्वर मंदिर में सुबह की पूजा के बाद 55 वर्षीय महिला ने अपनी बेटी पर कुल्हाड़ी से हमला किया, जिससे उसे गर्दन में गहरी चोटें आयी हैं। उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाएं बुधवार सुबह लगभग 4.30 बजे मंदिर पहुंचीं, थोड़ी देर प्रार्थना की और फिर बैठ गईं। हमले के वक्त युवती की चीखें सुनकर वहां से गुजर रहे लोग आए और उसकी मां को वहां से हटाया तथा पुलिस को घटना की सूचना दी।

एक पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, एक घटना हुई है जिसमें एक महिला ने अपनी बेटी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आयी हैं। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हम फुटेज की जांच कर रहे हैं। घायल महिला अपने पति के साथ रहती है, जो अनेकल में एक बुनकर है जबकि उसकी मां अपने पति के साथ संपिगेहल्ली में रहती है।

पुलिस ने बताया कि महिला का अक्सर अपने पति से झगड़ा होता था और वह अपनी मां के घर आ जाती थी। वह अपनी वैवाहिक समस्याओं से राहत पाने के लिए अपनी मां के साथ मिलकर हाल ही में विशेष पूजा-अर्चना कर रही थी।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने लोगों से 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने बृहस्पतिवार को लोगों से 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की। ग्रुप कैप्टन शुक्ला भारतीय वायुसेना के अधिकारी एवं परीक्षण पायलट हैं। उन्हें और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को 'गगनयान' मिशन के तहत अंतरिक्ष में भेजने के लिए चयनित और प्रशिक्षित किया गया है। गगनयान को 2027 में अंतरिक्ष में भेजे जाने की उम्मीद है।

'बेंगलूरु टेक समिट' में एक सभा को संबोधित करते हुए शुक्ला ने कहा, ''विकसित भारत-2047 के हमारे सपने को पूरा करने के लिए, आप सभी से मेरा बस यही आग्रह है कि आप ज़िम्मेदारी लें और सोचें कि 'मैं भारत को 2047 में यहां से एक विकसित देश कैसे बना सकता हूं'।''

उन्होंने कहा, ''भारत जल्द ही अपने नागरिकों को देश की धरती से एक भारतीय कैप्सूल (अंतरिक्ष यान) में भारतीय प्रक्षेपण रॉकेट के जरिये अंतरिक्ष में भेजेगा।'' शुक्ला ने कहा, ''और इसके लिए, आप सभी को एक साथ आना होगा और योगदान देना होगा। आपको सोचना होगा कि आप क्या कर सकते हैं, आप इसे कैसे कर सकते हैं 'एक साधारण 'स्ट्रॉ' बनाने से लेकर एक जटिल जीवन रक्षक प्रणाली बनाने तक' भविष्य की ओर बढ़ने के लिए सब कुछ जरूरी है।''

शुक्ला ने लोगों को याद दिलाया कि भारत में पहले से ही 300 से अधिक स्टार्टअप हैं जो अंतरिक्ष के क्षेत्र में सक्रियता से काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, स्टार्टअप की संख्या तेजी से बढ़ने वाली है और भविष्य में इस मिशन को पूरा करने के लिए पूरे देश को प्रयास करने की जरूरत होगी। अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है, इस बारे में उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप तीन समुद्रों, बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर से घिरा हुआ है।

शुक्ला ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा एक्सिओम-4 मिशन के तहत की थी। यह एक वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान है जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का सहयोग प्राप्त है। इसे एक्सिओम स्पेस' संचालित करता है। उन्होंने एक छोटा वीडियो क्लिप दिखाया, जिसमें रात के समय बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद और दूसरे बड़े शहर अंतरिक्ष से जगमगाते नजर आ रहे हैं।

ग्रुप कैप्टन ने कहा, ''मैं आपसे बस इतना ही कह सकता हूं कि आपने देखा कि अभी अंतरिक्ष से भारत कितना जगमग दिख रहा है, लेकिन आप सभी से मिलने और इतने सारे लोगों से बात करने के बाद, मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि हमारा भविष्य इससे कहीं ज़्यादा उज्ज्वल है।''उन्होंने यह कहते हुए अपनी बात खत्म की, कोई क्या हासिल कर सकता है, इसकी कोई सीमा नहीं है। न मेरे लिए, न आपके लिए और न ही भारत के लिए।

धर्मस्थल मामले में सरकार ने आरोपपत्र को मंजूरी दी : मंत्री

जमा करने का फैसला एसआईटी पर छोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। धर्मस्थल में कई महिलाओं की हत्याओं, उनके साथ दुष्कर्म और उन्हें 'दफनाने' के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के आरोपपत्र दाखिल करने की संभावना की खबरों के बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार ने अपनी मंजूरी दे दी है, और इसे जमा करने का निर्णय जांच दल पर छोड़ दिया है। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी बहुत जल्द बेलथांगडी अदालत में आरोपपत्र दायर कर सकती है।

धर्मस्थल मामले में एसआईटी के आरोपपत्र दाखिल करने के बारे में एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, हमने उन्हें (एसआईटी को) सरकार की ओर से मंजूरी दे दी है। आरोपपत्र जमा करना एसआईटी पर छोड़ दिया गया है। उन्हें यह 90 दिन के अंदर करना होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार के साथ कोई जानकारी साझा की गई है, उन्होंने कहा कि अदालत में आरोपपत्र जमा करने के बाद, एसआईटी सरकार के साथ जानकारी साझा करेगी।

उन्होंने कहा, ''आरोपपत्र में जो बातें हैं, उन्हें सामने आने दें, उसमें क्या है, यह पता चल जाएगा। चूंकि सरकार ने एसआईटी बनाई है, इसलिए जानकारी हमारे साथ साझा की जाएगी।'' क्या आरोपपत्र की जानकारी 8 दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में दी जाएगी और उस पर चर्चा की जाएगी, इस प्रश्न पर गृह मंत्री ने कहा कि सदन को तथ्यों से अवगत कराना होगा, जहां पहले इस मामले में चर्चा हुई है। सी एन चिन्नैया नामक शिकायतकर्ता, जिसे बाद में झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया, ने दावा किया था कि उसने पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कई लाशें दफनाई हैं, जिनमें उन महिलाओं के शव भी हैं जिनके शरीर पर यौन उत्पीड़न के निशान थे। इस पर विवाद शुरू हुआ।

राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी, जो आरोपों की जांच कर रही है, ने धर्मस्थल में नेत्रावती नदी के किनारे जंगली इलाकों में शिकायतकर्ता द्वारा चिह्नित कई जगहों पर खुदाई की है, जहां दो जगहों पर कुछ कंकाल मिले थे। बाद में, एसआईटी ने हाल में नेत्रावती स्नान घाट के पास बंगलेगुड्डे वन क्षेत्र में एक तलाशी अभियान के दौरान फिर से कुछ कंकाल बरामद किए थे।

वनटैक उडुप्पी एक्सपीरियंस सर्किट का बेंगलूरु टेक सम्मिट में शुभारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । वनटैक (पर्यटन, कला और संस्कृति), जो अनुभव अर्थव्यवस्था के लिए भारत का प्रमुख डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना है, ने बेंगलूरु टेक समिट में उडुपी में अपना पहला एक्सपीरियंस सर्किट लॉन्च किया। इस उद्घाटन समारोह में कर्नाटक विज़न ग्रुप ऑन स्टार्टअप्स के अध्यक्ष और एक्सेल में भागीदार प्रशांत प्रकाश और कर्नाटक सरकार के पर्यटन सचिव, डॉ. त्रिलोक चंद्रा, आईएएस, उपस्थित थे। इस पहल को राष्ट्रीय अतुल्य भारत अभियान के तहत भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा औपचारिक रूप से समर्थन प्राप्त है।

प्रतिमा मनोहर, निदेशक गुडपास, पैराडाइज़ ग्रुप और वनटीएसी उडुपी सर्किट की सह-क्यूरेटर अनुभव अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र वनटैक उडुप्पी एक्सपीरियंस सर्किट भागीदारों के एक मजबूत गठबंधन द्वारा संचालित है।

कलकी फाउंडेशन, जो संस्कृति, स्थान निर्माण और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र विकास का नेतृत्व करता है; संहिता, जो आजीविका, प्रभाव मापन और सामुदायिक लामबंदी को बढ़ावा देती है; गुडपास, यात्रा के अंतिम पड़ाव के लिए खोज और वितरण तकनीक प्रदान करता है; रुबिक्स, अनुभवी उद्यमियों के लिए आपूर्तिकर्ता एकत्रीकरण प्लेटफ़ॉर्म के रूप में कार्य करता है; साथ मिलकर, ये साझेदार पैराडाइज़ ग्रुप, आतिथ्य, ऑन-ग्राउंड लॉजिस्टिक्स और पर्यटन संचालन प्रदान करता है।

इस्पात क्षेत्र को शोध एवं विकास में और निवेश की जरूरत, एआई का इस्तेमाल बढ़ाना होगाः कुमारस्वामी

बेंगलूरु/भुवनेश्वर। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इस्पात क्षेत्र की पूरी वृद्धि के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ ही शोध और विकास (आरएंडडी) में अधिक निवेश करने की जरूरत है। कुमारस्वामी ने यह बात यहां केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा की मौजूदगी में दो दिन के 'चिंतन शिविर' का उद्घाटन करने के बाद कही।

केंद्रीय इस्पात मंत्री ने प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता और परिचालन उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए एआई, मशीन लर्निंग और डिजिटलीकरण जैसी तकनीक को अपनाने पर जोर दिया।

कुमारस्वामी ने कहा, भारत के इस्पात उद्योग की पूरी वृद्धि और मुकाबला करने की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों को मिलकर कोशिश करनी होगी। इसके लिए शोध और विकास में लगातार निवेश की भी जरूरत है।

राज्यपाल ने कर्नाटक-गोवा एनसीसी कैडेटों को सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा 'एकता और अनुशासन' के आदर्श वाक्य के साथ, राष्ट्रीय कैडेट कोर ने हमेशा हमारे युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए तैयार किया है। यह एक ऐसी संस्था है जो आत्मनिर्भरता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना का संचार करती है। राज्यपाल एनसीसी निदेशालय (कर्नाटक एवं गोवा) द्वारा अंतर-निदेशालय खेल शूटिंग चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले कर्नाटक और गोवा के प्रतिभागियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

एनसीसी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने कहा कि यह देश का सबसे बड़ा अनुशासित युवा संगठन है, जो अपनी स्थापना के बाद से ही राष्ट्रीय सुरक्षा और सेवा के लिए अथक प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य युवाओं में चरित्र, अनुशासन, साहस और निस्वार्थ सेवा का विकास करना है, और एक प्रशिक्षित और प्रेरित समूह तैयार करना है जो अपने चुने हुए करियर से परे राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार हो। एकता और अनुशासन के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ये मूल्य हमें हर चुनौतीपूर्ण स्थिति में मजबूत करते हैं और सफलता की ओर हमारा मार्गदर्शन करते हैं। निशानेबाजी खेल इन सिद्धांतों को और मजबूत करते हैं - ध्यान, धैर्य और आत्मविश्वास न केवल मैदान पर बल्कि जीवन के हर पहलू में आवश्यक हैं। कैडेटों से राष्ट्रीय सेवा को कायम रखने का आह्वान करते हुए राज्यपाल ने कहा, हमारे युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। प्रत्येक शॉट से पहले आवश्यक एकाग्रता जीवन के लिए एक सबक है। जिस प्रकार आप निशाना लगाने से पहले अपनी सांसों को स्थिर रखते हैं, उसी प्रकार हमें राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने के लिए अपनी भावनाओं और विचारों को स्थिर रखना चाहिए।

उन्होंने अंतर-निदेशालय खेल निशानेबाजी चैंपियनशिप में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए कर्नाटक और गोवा एनसीसी निदेशालय कैडेट निशानेबाजी टीम को भी बधाई दी। उन्होंने कहा, आपकी उत्कृष्ट प्रतिभा, खेल भावना और सौहार्द प्रेरणादायक है। यह उपलब्धि आपके अनुशासन, एकाग्रता, साहस, कड़ी मेहनत और देशभक्ति को दर्शाती है। मैं एनसीसी अधिकारियों और प्रशिक्षकों के समर्पण और मार्गदर्शन की भी सराहना करता हूँ, जिनके मार्गदर्शन ने इन युवा चैंपियनों को आकार दिया है।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता, एयर कमोडोर एसबीए अरुण कुमार, वीएसएम, वीरचक्र, कर्नल राजेश शाह और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लेबर वार्ड के बाहर प्रसव के दौरान गिरने से नवजात की मौत

हावेरी। हावेरी के जिला अस्पताल में जन्म के कुछ ही क्षणों बाद कथित रूप से फर्श पर गिरने से एक नवजात की मौत हो गई, जिसके बाद जिला शल्य चिकित्सक ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना मंगलवार को तब हुई जब रानेबेन्नूर के पास काकोल गांव की निवासी रूपा करबन्नावर (30) प्रसव के लिए अस्पताल पहुंची थीं। उनके परिवार के अनुसार, तेज प्रसव पीड़ा के बावजूद उन्हें भर्ती नहीं किया गया क्योंकि प्रसूति और स्त्री रोग वार्ड भरा हुआ था।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रसव कक्ष में भीड़ थी और कोई बेड उपलब्ध नहीं था, इसलिए उन्हें वार्ड के बाहर फर्श पर बैठाया गया। बाद में शौचालय की ओर जाते समय उन्होंने गलियारे में ही बच्चे को जन्म दिया और नवजात के फर्श पर गिरने से उसकी तुरंत मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि अत्यधिक दर्द में होने और बार-बार मदद मांगने के बावजूद चिकित्सकों और अस्पताल कर्मचारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। जिला शल्य चिकित्सक पी आर हवनूर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, घटना की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है, जिसमें उपायुक्त, महिला एवं बाल कल्याण अधिकारी, बाल संरक्षण अधिकारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ, एक तकनीकी विशेषज्ञ और जिला शल्य चिकित्सक शामिल हैं। आवश्यक कानूनी कार्रवाई इसी के अनुसार की जाएगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज को बेंगलूरु में 30 एकड़ की टाउनशिप से 3,500 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

बेंगलूरु। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने दक्षिण बेंगलूरु में एक टाउनशिप विकसित करने के लिए 30 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। इस टाउनशिप का अनुमानित राजस्व लगभग 3,500 करोड़ रुपये है। कंपनी ने 1,100 करोड़ रुपये के अनुमानित राजस्व के साथ एक आवास परियोजना विकसित करने के लिए अक्टूबर में बेंगलूरु के सरजापुर में 26 एकड़ जमीन खरीदी थी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने 3.8 एकड़ अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण किया है। इससे 2,400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व और 20 लाख वर्ग फुट अतिरिक्त विकास क्षमता प्राप्त होगी। इस अधिग्रहण के साथ 30 एकड़ के टाउनशिप का कुल सकल विकास मूल्य 3,500 करोड़ रुपये होगा। कुल विकास क्षमता 30 लाख वर्ग फुट क्षेत्र है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा कि यह विस्तार कंपनी को उसके टिकाऊ, एकीकृत जीवन के दृष्टिकोण के अनुरूप एक स्थान विकसित करने का अवसर देता है....। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: B-TRD-29-2025-26-OT-27
दिनांक: 13.11.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु विभाग पर 3 साल की अवधि के लिए टॉवर वेगनों का व्यापक रखरखाव अनुबंध।	रु. 12,03,98,752.74

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 05.12.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर टीआरडी/बेंगलूरु
PUB/657/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/148/2025
दिनांक: 13.10.2025 के लिए
शुद्धिपत्र
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के लिए एकीकृत परियोजना प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली (पीएमआईएस) का डिजाइन, अनुकूलन, कार्यान्वयन, संचालन एवं रखरखाव सहायता। (निविदा संदर्भ सं.: PMIS-SWR-01)	रु. 6,66,00,380/-

अंतिम तिथि	
मौजूदा	संशोधित
25.11.2025 (15:00 बजे तक)	10.12.2025 (15:00 बजे तक)

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/ बेंगलूरु छावनी
PUB/641/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. CAO/CN/BNC/159/2025,
दिनांक: 14.11.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत	अंतिम तिथि
1	गदग - वाडी नई बीजी रेलवे लाइन परियोजना के संबंध में कृष्णा नदी पर किमी. 145950 से किमी. 149225 (3,275 किमी) पर प्रस्तावित ज़रूरी रेलवे पुल सं. 195 और दूसरे पुलों के लिए डिटेल्ड डिज़ाइन कंसल्टेंसी और डिज़ाइनर एसोसिएशन देना, जिसमें नींव, सबस्ट्रक्चर और सुपरस्ट्रक्चर के साथ साथ इसमें जियोटेक्निकल/हाइड्रोलॉजिकल जांच और दूसरे सहायक काम भी शामिल होगा और बेलूर - हासन (अलूर) नई बीजी रेलवे लाइन परियोजना के संबंध में किमी. 85125 से किमी. 86100 (लगभग 975 मी) पर प्रस्तावित टनल के लिए योटेक्निकल, एरियल, सिस्मिक जांच और डिटेल्ड डिज़ाइन करने के लिए। (निविदा संदर्भ सं.: SWR-CN-DDC-DAS).	रु. 6,37,98,857/-	29-12-2025 (15:00 बजे तक)
2	दक्षिण पश्चिम रेलवे में निर्माण संस्था के लिए प्रूफ चेक कंसल्टेंट की नियुक्ति के तहत प्रस्तावन का अनुरोध। (निविदा संदर्भ सं.: PROOFCHECKCONSULTANCY)	रु. 11,36,29,457/-	29-12-2025 (15:00 बजे तक)
3	तुमकुरु-चित्रदुर्ग-दावणगेरे नई लाइन परियोजना के तहत चित्रदुर्ग यार्ड पर किमी. 140/490 से किमी. 142/920 के बीच ट्रैक लिंकिंग का काम, जिसमें यार्ड रीमॉडलिंग, फॉर्मेशन में अर्थवर्क, ब्लैंकेटिंग, बैलास्ट की सप्लाई, पी-वे सामग्री का आपूर्ती और ट्रांसपोर्टेशन, छोटे पुलों का कंस्ट्रक्शन, स्ट्रक्चरल स्टील का काम और इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य भी शामिल होगा। (संयुक्त कार्य) (निविदा संदर्भ सं.: TK-DVG-25)	रु. 51,78,60,236/-	09-12-2025 (15:00 बजे तक)

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर / निर्माण / कार्य बेंगलूरु छावनी
PUB/660/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत देश को एकता के सूत्र में बांधने के लिए प्रेरित करता है : मीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वंदे मातरम गीत ने देश के क्रान्तीकारियों को देश प्रेम एवं देश को आजादी दिलाने के लिए प्रेरित किया। इस गीत के 150 साल होने के बाद भी आज भी हम गाते है तो स्वतः ही राष्ट्रभक्ति के भाव पैदा हो जाते है। यह विचार गुरूवार को केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय सवाई माधोपुर की ओर से शहीद कैप्टन रिपुदमन राजकीय महाविद्यालय सवाई माधोपुर के सभागार में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने व्यक्त किए। प्रारम्भ में मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने प्रदर्शनी का फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत रूप से प्रदर्शनी का उदघाटन किया।अवसर था भारत का गणतंत्र-एक सुनहरी यात्रा एवं वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 बर्ष ,भारतीय सविंधान की 75 बर्ष की यात्रा विषयों पर केंद्रित दो दिवसीय मल्टी मीडिया प्रदर्शनी के उदघाटन का।

कृषि मंत्री ने कहा की सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में देश की आजादी से लेकर आज तक देश में सरकारों द्वारा किये गये विकास कार्यो एवं उपलब्धीयों को बेहतर तरिके से दर्शाया गया है। उन्होने कहा कि इस प्रदर्शनी में भारत का गणतंत्र-एक सुनहरी यात्रा एवं वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 बर्ष ,के साथ-साथ भारतीय सविंधान की 75 बर्ष की यात्रा को अनेक माध्यमों से प्रस्तुत किया है ।

उन्होने छात्र/छात्राओं से कहा कि इस प्रदर्शनी में दी गई जानकारी को ग्रहण कर उनसे फायदा उठाये। उन्होंने कहा कि हमारे देश का संविघान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है जिसमें देश के सभी वर्गो को अपनी बात कहने की स्वतंत्रता दी गई है लेकिन संविधान में कुछ कर्तव्य भी निर्धारित किये है, उनकी पालना करना हम सभी का परम कर्तव्य है। प्रदर्शनी के दौरान भारत का गणतंत्र -एक सुनहरी यात्रा एवं वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 बर्ष ,भारतीय सविंधान की 75 बर्ष की यात्रा विषयों पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों ने भी आमजन को अपने विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विभाग के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारत का गणतंत्र-एक सुनहरी यात्रा एवं वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 बर्ष ,भारतीय सविंधान की 75 बर्ष की यात्रा पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में गुरूवार को राजकीय महाविद्यालय में जागरूकता रैली निकाली गई।

जीसीसी के आवेदनों का होगा त्वरित निस्तारण : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में अनुमोदित राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 प्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) का पसंदीदा गंतव्य स्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राज्य के प्रमुख शहरों का सशक्त बिजनेस इकोसिस्टम और किफायती ऑपरेशनल लागत के साथ-साथ इस नीति के अंतर्गत सब्सिडी के प्रावधान इच्छुक कंपनियों को राजस्थान में जीसीसी की स्थापना के लिए आकर्षित करते हैं।

सुदृढ़ बुनियादी ढांचा, कुशल कार्यबल और निवेश अनुकूल नीतियों की विशेषताओं के साथ प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में गत दो वर्ष में सकारात्मक बदलाव आया है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से लगभग 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी हैं। आज बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रदेश में निवेश के लिए इच्छुक हैं। प्रदेश की बेहतर कनेक्टिविटी ने प्रदेश में निवेश के नए द्वार खोले हैं। एनसीआर रीजन और दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) के साथ कनेक्टिविटी राजस्थान में जीसीसी निवेशकों की पहुंच बड़े औद्योगिक केन्द्रों और बाजारों तक उपलब्ध कराती है। साथ ही, देश के बड़े शहरों की तुलना में यहां प्रमुख शहरों में साधनों एवं सेवाओं की किफायती ऑपरेशनल लागत भी निवेश को सुगम बनाती है।

राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 में जीसीसी के लिए आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाया गया है। इच्छुक आवेदकों को राजनिवेश सिंगल विंडो पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। प्रोजेक्ट इवेल्यूएशन कमेटी (पीईसी) इन आवेदनों की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट का अध्ययन कर अपनी अनुशंसा प्राथमिकता से 60 दिन की समय सीमा में प्रोजेक्ट अप्रूवल कमेटी (पीएसी) को प्रस्तुत करेगी। यह अप्रूवल कमेटी भी 60 दिन की समय सीमा में अनुशंसा के आधार पर आवेदन पर निर्णय करेगी। कार्यकारी निदेशक रीको, पीईसी और प्रशासनिक सचिव उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, पीएसी के अध्यक्ष होंगे। जीसीसी के आवेदनों के निस्तारण के लिए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

जीसीसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए नवाचार, दक्षता और मूल्य सृजन के महत्वपूर्ण केंद्र बन गए हैं। ये केंद्र प्रौद्योगिकी, वित्त, मानव संसाधन, अनुसंधान और डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में काम करते हुए कंपनियों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत करने के साथ ही स्थानीय प्रतिभा को प्रशिक्षित करने का कार्य भी कर रहे हैं। राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 वर्ष 2030 तक प्रदेश में 200 से अधिक जीसीसी स्थापित करने, 1.5 लाख रोजगार सृजित करने के साथ भारत के 100 अरब डॉलर के जीसीसी बाजार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लक्ष्य पर आधारित है।

पत्नी की खुदकुशी के बाद पति ने बेटे को मारा, फिर खुद भी फंदे पर झूला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। जिले के मसारो की ओवरी गांव में गुरुवार सुबह ऐसा दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया कि पूरा इलाका सन्न रह गया। एक ही घर में पति-पत्नी और 7 साल के मासूम बेटे की लाशें मिलीं। दरवाज़ा अंदर से बंद था और बाहर खड़ी जगदीश की बाइक कुछ अनहोनी का संकेत दे रही थी। जब माता-पिता रिश्तेदारी से लौटकर आए और गेट नहीं खुला तो गांव के लोग जुटे, गेट तुड़वाया गया और भीतर जो देखा गया, उसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। फर्श पर 27 साल की शारदा का शव पड़ा था। उसके कुछ कदम दूर ही दूसरे कमरे में 7 साल का हेमांशु उर्फ हेमू फंदे से लटका मिला। उसी कमरे में 30 वर्षीय जगदीश की लाश भी फंदे से लटकी थी। घर की दीवार पर एक सुसाइड नोट चिपका था, जिसमें लिखा थामेरे घरवालों की कोई गलती नहीं है। मैं खुद मर रहा हूं। हेमू की मम्मी मेरे से पहले फंदा लगाकर मर गई थी। कोई भी मेरे मां-बाप को परेशान न करे। ये मरी, इसलिए हम दोनों भी मरे हैं। डीएसपी राजीव राहर बताते हैं कि घटना बुधवार शाम करीब 7 बजे की है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि जगदीश काम से घर लौटा तो पत्नी का शव फंदे से लटका मिला। उसने उसे नीचे उतारा और फर्श पर रखा। इसके बाद उसने अपने बेटे को दूसरे कमरे में ले जाकर फंदे पर लटका दिया और उसकी मौत होने के बाद खुद भी फंदे से झूल गया। अभी पत्नी के आत्महत्या करने की वजह साफ नहीं है। शारदा का पीहर और जगदीश का परिवार दोनों ही पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

शारदा के भाई प्रकाश ने थाने में रिपोर्ट देकर कहा है कि यह हत्या है या सुसाइड, पुलिस सच्चाई सामने लाए। वहीं जगदीश के छोटे भाई सुनील ने भी जांच की मांग की है। पुलिस ने सभी शवों को ऋषभदेव हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है और सुसाइड नोट, मोबाइल रिकॉर्ड, कॉल डिटेल और परिवार की परिस्थितियों की गहराई से जांच की जा रही है। गांव के लोग सदमे में हैं। किसी को समझ नहीं आ रहा कि चंद घंटों में ऐसा क्या हुआ कि एक पूरा परिवार खत्म हो गया। घर के बाहर रोते-बिलखते परिजनों के बीच सिर्फ एक सवाल गूंज रहा हैआखिर कौन-सी ऐसी दरार थी, जिसने एक मां की जान ली, फिर एक पिता को हिला दिया, और जिसकी कीमत एक मासूम बच्चे को भी अपनी सांसों से चुकानी पड़ी?

जैसलमेर के सीमावर्ती इलाके में वायुसेना का टूटा हुआ ड्रोन मिला

जैसलमेर।राजस्थान के जैसलमेर जिले के रामगढ़ सीमावर्ती इलाके में भारतीय व ायुसेना का टूटा हुआ ड्रोन पड़ा हुआ मिला। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रामगढ़ थाने के सहायक उपनिरीक्षक प्रेम शंकर ने बताया कि यह ड्रोन चक नंबर तीन, सत्तार माइनर के एक खेत में मिला। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची व मामले की जांच शुरू की हालांकि बाद में भारतीय वायुसेना के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया।

उदयपुर में दंपति व नाबालिग बेटे का शव घर से बरामद

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में दंपति और उनके सात साल के बेटे का शव बुधवार शाम उनके ही घर से बरामद किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पति जब घर लौटा तो उसकी पत्नी फर्श पर मृत पड़ी थी, इसके बाद उसने अपने सात साल के बेटे को फंदे से कथित तौर पर लटका दिया और खुद भी फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, घर में एक 'सुसाइड नोट' मिला है। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को ऋषभदेव थानाक्षेत्र के मसारो की ओवरी गांव में हुई। पुलिस उपाधीक्षक राजीव राहर ने बताया कि महिला के आत्महत्या करने का कारण अभी पता नहीं चला है। उन्होंने बताया, मौत के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, शारदा (27) फर्श पर मृत पड़ी मिली जबकि उसका पति जगदीश (30) और उनका बेटा हिमांशु उर्फ हेमू (सात) अलग-अलग कमरों में फंदे से लटके हुए पाये गये। पुलिस ने बताया कि जगदीश पेट्रोल पंप पर काम करता था जबकि शारदा ने हाल ही में एक निजी क्लिनिक में काम करना शुरू किया था। पुलिस के मुताबिक, जगदीश के माता-पिता पास के गांव गए थे और बुधवार शाम लौटे तो घर अंदर से बंद मिला, जिसके बाद पड़ोसियों की मदद से दरवाज़ा तोड़ा गया।

शेखावाटी इलाके में सर्दी बढ़ी

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों विशेष रूप से शेखावाटी इलाके में सर्दी बढ़ गई है, जहां न्यूनतम तापमान लगभग छह डिग्री दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बीती रात फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 6.1 डिग्री सेल्सियस और नागौर में 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उसने बताया कि राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा लेकिन यह अब भी सामान्य तापमान से 3-4 डिग्री सेल्सियस कम है। इसके अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आगामी 10 दिन के दौरान मौसम शुष्क रहने तथा तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। हालांकि, दक्षिणी भागों में पूर्वी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी (1-2 डिग्री सेल्सियस) हो सकती है।

जयपुर में युवा कांग्रेस और पुलिस आमने-सामने : सीएम आवास मार्च रोका, बैरिकेड्स पर चढ़े कार्यकर्ता

जयपुर। पूनिया बोलेसरकार से आम आदमी परेशान जयपुर। जयपुर में गुरुवार को युवा कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान बड़ा हंगामा हो गया। शहीद स्मारक से मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया। इसी दौरान कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए और बैरिकेड्स पर चढ़ने लगे। हालात बिगड़ते देख पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तेज धक्का-मुक्की हुई। कार्यकर्ताओं ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वोट चोरी, बदहाल कानून व्यवस्था, और फसल खराबे का मुआवज़ा न मिलने से जनता त्रस्त है। इसी को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में युवा कांग्रेस सड़क पर उतरी और सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी की।

कांग्रेस नेता अभिमन्यु पूनिया ने कहा कि सरकार से आम आदमी परेशान है। कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा छापेमारी तो कर रहे हैं, लेकिन कार्रवाई कहीं नजर नहीं आती। उन्होंने ञ्खठ को लेकर उठे विवाद और इडज द्वारा आत्महत्या की घटना पर भी सरकार को घेरा। पूनिया ने सवाल उठाया कि क्या 20-25 दिनों में पूरे राजस्थान की ञ्खठ कराना संभव है? प्रदर्शन में प्रदेश प्रभारी विकास छिकारा, सह-प्रभारी ज्ञानेश शुक्ला, प्रदेशाध्यक्ष और संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया, सहित युवा कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजस्थान विधानसभा होगी और अधिक डिजिटल: अब विधायक करेंगे डिजिटल हस्ताक्षर

जयपुर। राजस्थान विधान सभा के सदस्यगण अब डिजिटल हस्ताक्षर करेंगे। विधानसभा की समितियों को बैठकों में विधायकगण आईपैड पर स्टाइलस पेन की सहायता से डिजिटल हस्ताक्षर करेंगे।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की यह पहल विधान सभा को डिजिटल बनाये जाने की दिशा में नया कदम है। देवनानी ने बताया कि राजस्थान विधानसभा में डिजिटल हस्ताक्षर की यह नई व्यवस्था आगामी एक दिसम्बर से आरम्भ होगी। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की डिजिटल सदन की पहल राजस्थान विधानसभा के आधुनिकीकरण का एक महत्वपूर्ण चरण है। इस व्यवस्था के तहत सदन की कार्यसूची, प्रश्नोत्तर, विधेयक, ध्यानाकर्षण और शून्यकाल से संबंधित सभी दस्तावेज डिजिटल रूप में उपलब्ध हैं।

कांग्रेस धर्म परिवर्तन कराने वालों के साथ खड़ी, डोटासरा की मानसिकता हिन्दू विरोधी : जवाहर सिंह बेढम

जयपुर। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि भजनलाल सरकार ने राजस्थान विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक का कठोर कानून बनाया है। जिसके माध्यम से डरा धमकाकर धर्म परिवर्तन कराने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने अपने कांग्रेस के कार्यकर्त्ताओं को इस विधेयक की विरोध करने की जो बात कही है, उससे लगता है कि वो धर्म परिवर्तन कराने वाले लोगों का परोक्ष रूप से समर्थन करते है।

गोविंद डोटासरा की मानसिकता ही हिन्दू विरोधी है और हम डोटासरा के इन मंसूबों को सफल नहीं होने देंगे। बेढम ने कहा कि धर्म परिवर्तन करवाने वाली संस्थाएं, मिशनरीज लोग लोगों को प्रलोभन देकर, शादी का झांसा देकर, इलाज का लालच देकर, डराकर, धमकाकर धर्म परिवर्तन का काम करते है। पहले लचीला कानून बनाया गया था, कोई कार्रवाई नहीं होती थी। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इसके खिलाफ सरकार द्वारा कठोर कानून लाया गया।

सिविल लाइंस इलाके में घुसा तेंदुआ पकड़ में आया

जयपुर। जयपुर के उच्च सुरक्षा वाले सिविल लाइंस इलाके में घुसे तेंदुए को वन कर्मियों ने बेहोश (ट्रैंक्यूलाइज) कर पकड़ लिया। इससे पहले तेंदुए घूमता नजर आने पर इलाके में दहशत फैल गई थी। यह तेंदुआ एक स्कूल और एक कैबिनेट मंत्री के सरकारी बंगले समेत आसपास के क्षेत्र में घूमता हुआ देखा गया था।

अधिकारियों ने बताया कि तेंदुआ सबसे पहले टाइनी ब्लॉसम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में घुसता हुआ देखा गया, जिसके बाद वहां के स्टाफ ने एहतियात के तौर पर विद्यार्थियों को कक्षाओं में बंद कर दिया।

इससे पहले यह तेंदुआ कथित तौर पर राज्य के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के सरकारी बंगले में घुस गया था। मंत्री का बंगला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के घर के सामने है। सिविल लाइंस इलाके में राजभवन, मुख्यमंत्री का आवास और कई मंत्रियों तथा बड़े अधिकारियों के सरकारी आवास भी हैं।

मोकलसर में हर्षोल्लास से सम्पन्न हुई सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ प्रतिष्ठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोकलसर। मोकलसर नगर में मूलनायक परमात्मा सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ आदि जिन प्रतिमाओं की एवं ऊपर के गर्भगृह में मूलनायक श्री अजितनाथ भगवान आदि जिन प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा 16 नवम्बर को हर्षोल्लास के साथ आचार्यश्री जिनकान्तिसागर सूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य खरतरगच्छाधपिति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में संपन्न हुई। गणिवर्य श्री मयंकप्रभसागरजी की निश्रा में कुंभ स्थापना, दीप स्थापना, ज्वारारोपण, क्षेत्रपाल स्थापना के साथ पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा पढाई गई। उसके बाद अठारह अभिषेक, नवग्रह पूजन, दशदिक्पाल पूजन व अष्ट मंगल पूजन के साथ पंच परमेष्ठी पूजा पढाई गई। रविवार को शुभ मुहूर्त्त में परमात्मा को गादीनशीन किया गया।

चार सौ से अधिक वर्ष प्राचीन मूलनायक सहसफणा पार्श्वनाथ परमात्मा को विराजमान करने का लाभ बबुबाई लालचंद गुलेच्छा परिवार, दायीं ओर पार्श्वनाथ प्रभु विराजमान का लाभ भंवरलाल मोतीलाल पालरेचा परिवार ने, बायीं ओर पार्श्वनाथ प्रभु विराजमान का लाभ दीपचंद मदनलाल अशोककुमारजी बाफना परिवार ने लिया। ऊपर के गर्भगृह के मूलनायक श्री अजितनाथ प्रभु को विराजमान का लाभ भंवरलाल मोतीलाल पालरेचा परिवार ने, चंद्रप्रभ भगवान का लाभ संघवी शांतिदेवी पुखराज गुलेच्छा परिवार ने, सुमतिनाथ प्रभु का लाभ शांतिदेवी चुन्नीलाल गुलेच्छा परिवार ने, वासुपूज्य प्रभु को विराजमान का लाभ भंवरीबाई छगनलाल बाफना ने, कुंथुनाथ प्रभु का लाभ सीतादेवी गुणेशमल बाफना परिवार ने लिया। द्वारोद्घाटन का लाभ सीतादेवी गुणेशमल बाफना परिवार ने लिया।

राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह से पहले सरयू घाट से शुरू हुई कलश यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण से पहले बृहस्पतिवार को सरयू घाट से कलश यात्रा शुरू हुई।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने शोभायात्रा शुरू होने से पहले सरयू तट पर कलश पूजन किया, जिसके बाद महिला श्रद्धालुओं ने 551 कलश लेकर राम पथ पर यह यात्रा शुरू की।

मंदिर परिसर के आसपास के रामकोट क्षेत्र की परिक्रमा पूरी करने के बाद यह यात्रा राम जन्मभूमि परिसर पहुंची।

मंदिर के पदाधिकारियों ने बताया कि कलश यात्रा के दौरान एकत्र होने वाले जल का इस्तेमाल राम मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण से पहले होने जा रहे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाएगा। ध्वजारोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे।

अमेरिकी संसद की रिपोर्ट भारत के लिए एक और कूटनीतिक झटका : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका संसद से संबंधित एक रिपोर्ट में कथित तौर पर उल्लेखित कुछ बातों का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि यह भारत की कूटनीति के लिए एक और बड़ा झटका है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस की यह रिपोर्ट भारत के लिए स्वीकार्य नहीं है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग ने हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस को अपनी वार्षिक रिपोर्ट सौंपी है। अमेरिकी सीनेट और प्रतिनिधि सभा द्वारा संयुक्त रूप से गठित आयोग में 12 स्वतंत्र सदस्य हैं। उन्होंने कहा, ''2025 की वार्षिक रिपोर्ट लगभग 800 पृष्ठों की है। पृष्ठ 108 और 109 के अनुभाग बिल्कुल आश्चर्यजनक और समझ से परे हैं।'' रमेश ने दावा किया कि इस रिपोर्ट में अप्रैल 2025 में पाकिस्तान द्वारा कराए गए पहलगाम आतंकी हमले को 'विद्रोही हमला' बताया गया है तथा चार दिवसीय संघर्ष में 'भारत पर पाकिस्तान की सैन्य सफलता' की बात की गई है।

कांग्रेस नेता ने कहा, (अमेरिकी) राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप ने (अब तक) 60 बार दावा किया है कि उन्होंने ऑपरेशन सिन्दूर को रूकवाया । प्रधानमंत्री ने (इस पर) पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।

रमेश का कहना था कि अब अमेरिकी कांग्रेस के अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा आयोग की यह रिपोर्ट आई है जो भारत के लिए बिल्कुल अस्वीकार्य है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय इस पर आपत्ति और विरोध दर्ज कराएंगे?

रमेश ने दावा किया कि देश की कूटनीति को एक और करारा झटका लगा है। उन्होंने ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता संबंधी दावा एक बार फिर किए जाने का हवाला देते हुए सरकार पर कटाक्ष किया। रमेश ने कहा, ''अमेरिकी कांग्रेस द्वारा गठित एक स्वतंत्र आयोग की रिपोर्ट जारी होने के कुछ ही घंटों बाद- जिसमें दावा किया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने 'भारत पर सैन्य सफलता हासिल की'-अमेरिका के राष्ट्रपति ने 61वीं बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत पर 350 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाने की धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर को खत्म कराया था।''

भारत के लिये हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारत के बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं ।

कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला खेलने स्वदेश लौट आये थे । उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिये हालांकि भारत 30 रन से हार गया था । सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा ,'' निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है । भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है ।''

उन्होंने कहा ,''हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है । सभी को इसमे मजा आता है लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है । अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिये काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाये रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा ।'' उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं । कुलदीप ने कहा ,'' एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं । मुझे अपनी भूमिका पता है। कोच और कप्तान ने काफी स्पष्टता और सहयोग दिया है। मैं हमेशा आक्रामक मानसिकता से खेलता हूं और मेरा काम विकेट लेना है।

बिहार सरकार प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम करेगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर नीतीश कुमार को बधाई दी और कहा कि यह 'डबल इंजन' सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए और अधिक ऊर्जा से कार्य करेगी।

शाह ने उपमुख्यमंत्रियों और सभी मंत्रियों को भी शपथ लेने पर बधाई दी।

शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किये गये एक संदेश में कहा कि 20 वर्षों से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा किए जा रहे विकास और सुशासन पर विश्वास जताने के लिए बिहार की जनता का आभार। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी, विजय सिन्हा जी और मंत्रिपरिषद के सभी मंत्रियों को शपथ लेने पर हार्दिक शुभकामनाएं।''

शाह ने कहा, ''यह 'डबल इंजन' सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकसित बिहार' के दृष्टिकोण को साकार करने और समाज के सभी वर्गों तक विकास के कामों को पहुंचाने के लिए और भी ज्यादा ऊर्जा के साथ काम करेगी।''

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री शाह समेत कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, ''आज पटना के गांधी मैदान में बिहार के कोने-कोने से लाखों की संख्या में आकर राजग सरकार को प्रदेशवासियों का आशीर्वाद देना बताता है कि यह बिहार के जन-जन की सरकार है। बिहार के सभी लोगों को दिल से बधाई।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

नीतीश कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नई सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

दो विधायकों का मंत्री बनना पिता रामविलास के सपने का सच होना: चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक बड़ी जीत है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने लंबे समय तक देखा था।

चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर विकसित बिहार की दिशा में काम करने की बड़ी जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं। लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को मंत्री पद की शपथ ली। चिराग ने कहा, मुझे पता है कि आज वह (राम विलास पासवान) सबसे ज्यादा खुश होते, जिस ऊंचाई पर वह हमारी पार्टी को देखना चाहते थे, आज पार्टी वहां पहुंची है। आज हमारी पार्टी के दो मंत्रियों ने शपथ ली। परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने निश्चित रूप से बड़ी जीत हासिल की है। और मेरा मानना है कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं।

नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों को पूरा करे: तेजस्वी यादव

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ।

तेजस्वी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट कर नीतीश कुमार को बधाई दी। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। राजद नेता ने कहा, आशा है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा बिहारवासियों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद शपथ लेने वाले अन्य 26 मंत्री में जदयू से विजय चौधरी, बिजेंद्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी (विधान परिषद के सदस्य), सुनील कुमार, लेशी सिंह, मदन सहनी, मोहम्मद जामा खान। भाजपा से सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, मंगल पांडेय, दिलीप जायसवाल, नितिन नवीन, राम कृपाल यादव, संजय सिंह टाइगर, रमा निषाद, लखेंद्र कुमार रोशन, श्रेयसी सिंह, नारायण प्रसाद, सुरेंद्र मेहता, अरुण शंकर प्रसाद और डॉ. प्रमोद कुमार (विधान परिषद के सदस्य) ने मंत्री पद की शपथ ली। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) से संतोष सुमन, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) से दीपक प्रकाश के साथ साथ लोजपा (रामविलास) से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह हैं।

धोखेबाजी के जरिये बनाये गए जनाधार को बचाने की कोशिश कर रही हैं ममता : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ शिकायत कर रही हैं क्योंकि उनका राजनीतिक वजूद ''धोखेबाजी के जरिये'' बनाये गए जनाधार को ''बचाने'' पर टिका हुआ है। भाजपा की यह प्रतिक्रिया एसआईआर को लेकर बनर्जी द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिखे जाने के बाद आई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सीईसी को लिखे बनर्जी के पत्र को ''हताशा का संकेत'' बताया और उन पर आरोप लगाया कि वह उस परिवेश को बचाने के लिए एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की कोशिश कर रही हैं ''जिसने उन्हें सत्ता में बनाए रखा है।'' उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, ''एसआईआर प्रक्रिया को रोकने के लिए ममता बनर्जी का निर्वाचन आयोग को पत्र लिखना इस बात की स्वीकारोक्ति है कि (तृणमूल) शीर्ष नेतृत्व घबरा गई हैं।

नीतीश कुमार: हर बार 'फीनिक्स' की तरह उठ खड़े होने वाले जुझारू नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। करीब 50 वर्षों के अपने राजनीतिक करियर में नीतीश कुमार ने हर बार संदेह और आलोचना के दौर से उबरकर 'फीनिक्स' की तरह फिर से उठ खड़े होने की अद्भुत क्षमता दिखाई है।

मंडल राजनीति के बाद उभरने वाले नेताओं में सबसे अलग रहे नीतीश कुमार ने प्रशासनिक कमियों को दूर करने की दक्षता दिखाई, जबकि उन्हीं के समय के कई नेता इस मामले में पीछे रह गए। आलोचक अक्सर उन पर अवसरवाद की राजनीति करने का आरोप लगाते रहे हैं। इसे राजनीतिक अवसरवाद कहें या दूरदर्शिता, नीतीश की रणनीति की वजह से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब तक राज्य में अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकी है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी बहुत मजबूत है और हालिया विधानसभा चुनाव में 89 सीट जीती है, जबकि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को 85 सीटें मिलीं। कुमार देश के सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले 10 मुख्यमंत्रियों में शामिल हैं। वह कुल 19 वर्षों से सत्ता में हैं। राजनीतिक पाला बदलने की आदत के कारण उन्हें आलोचक और विरोधी दलों के नेता 'पलटू राम' कहने लगे, जबकि सुशासन के लिए उनकी लोकप्रियता 'सुशासन बाबू' के नाम से भी है। पिछले साल के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी जदयू ने भाजपा से बेहतर 'स्ट्राइक रेट' दर्ज किया। दोनों ने बराबर सीटें जीतीं, जबकि जदयू ने एक कम सीट पर चुनाव लड़ा था। केंद्र में बहुमत न होने के कारण भाजपा गठबंधन के इस सहयोगी दल पर निर्भर है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद और जेपी आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाने के पश्चात, कुमार ने राज्य बिजली विभाग की नौकरी ठुकराकर राजनीति में कदम रखा।

हरदोई के एक स्कूल में गैस रिसाव होने से 16 छात्र बेहोश, जांच के आदेश

हरदोई/भाषा। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के संडीला कस्बे के एक निजी स्कूल में संदिग्ध रूप से गैस रिसाव की चपेट में आने से कम से कम 16 छात्र बेहोश हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सभी प्रभावित बच्चों को दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, जहां से एक बच्चे को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ भेज दिया गया। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि जांच के आदेश दे दिए गए हैं और रिसाव के कारण की पुष्टि होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों के मुताबिक, स्कूल परिसर में गैस की तेज गंध फैल गई, जिससे कई बच्चे घबरा गए और अपनी कक्षाओं से बाहर भाग निकले। शिक्षकों ने तुरंत सभी विद्यार्थियों को बाहर निकाला और अभिभावकों व प्रशासन को सूचित किया। जिलाधिकारी झा और पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और इलाज करा रहे बच्चों से भी मिले।

शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पटना के गांधी मैदान में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा।

जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया।

कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ पूरी करते ही प्रधानमंत्री ने भीड़ की ओर 'गमछा' लहराया, जिससे देर तक तालियों की गूंज सुनाई देती रही। समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। सबसे पहले 'सामा-चकवा' की रंगारंग प्रस्तुति हुई, जो मिथिला क्षेत्र का लोकप्रिय लोकनृत्य है और भाई-बहन के प्रेम का उत्सव माना जाता है।

महिला कलाकारों के एक समूह ने यह नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों की महिला कलाकारों ने अलग-अलग क्षेत्रों के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए।

बिहार में नीतीश सरकार स्थिरता और विकास का नया अध्याय लिखेगी: रघुवर दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार राज्य में स्थिरता, विकास और सुशासन का एक नया अध्याय लिखेगी।

रघुवर ने नीतीश के 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उन्हें बधाई दी। रघुवर ने कहा, नीतीश कुमार सरकार बिहार में स्थिरता, विकास और सुशासन का नया अध्याय लिखेगी। रघुवर ने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार में राजग सरकार विकास को गति देगी। नई बिहार सरकार 2047 तक देश को 'विकसित भारत' बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) सुप्रीमो नीतीश कुमार के अलावा उनकी पार्टी के आठ, भाजपा के 14 और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के दो विधायकों ने नई बिहार सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। जीतन राम माझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा से एक-एक मंत्री ने भी राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

तृणमूल सांसद ने बंगाल में 'निष्क्रिय' आधार नंबरों की यूआईडीएआई सूची पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने बृहस्पतिवार को सवाल उठाया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने पश्चिम बंगाल के 'निष्क्रिय' आधार नंबरों की सूची भारत निर्वाचन आयोग के साथ कैसे साझा की और कहा कि उसने पहले दावा किया था कि ऐसी सूची नहीं रखी जाती हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य गोखले ने आरोप लगाया कि भारत निर्वाचन आयोग वोट चोरी के लिए मोदी सरकार के यूआईडीएआई के साथ मिलकर काम कर रहा है। गोखले ने कहा, कुछ दिन पहले यह रिपोर्ट आई थी कि यूआईडीएआई (जो आधार जारी करता है) ने ईसीआई के साथ 30-32 लाख निष्क्रिय आधार नंबर साझा किए हैं। यूआईडीएआई का दावा है कि ये आधार नंबर उन लोगों के हैं जिनकी मौत हो चुकी है।

अगर वे घास काटेंगे तो इससे अंतर पैदा होगा : पीट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे।

दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स की मुश्किल पिच पर हार के बाद भारत 0-1 से पीछे है।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, ''जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।''

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा, ''लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था।''

बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा। रात में काफी गर्मी होती है लेकिन जाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए। कितने देर तक, हमें पक्का नहीं पता, हमें देखना होगा।''

बोथा ने कहा, ''अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'' उन्होंने कहा, ''अगर गेंद पहले दिन से ही टर्न होने लगे तो कभी-कभी इसकी (पहले बल्लेबाजी करने की) कोई खास भूमिका नहीं होती क्योंकि यह पिछले मैच की तरह कम स्कोर वाला मैच बन जाता है और फिर पहले, दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की उतनी बड़ी भूमिका नहीं होती।''

बोथा ने कहा, ''लेकिन अगर पिच पहले दो दिन ठीक-ठाक खेलने वाली है तो आप जाहिर है कि पहले बल्लेबाजी करना चाहेंगे जिससे कि बाद में परिस्थितियों का फायदा उठा सकें।''

हर कोई गंभीर को दोष दे रहा है, कई बार एजेंडा जैसा लगता है : कोटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत की हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना से आजिज आ चुके भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि उन्हें लगता है कि कुछ लोग निहित स्वार्थों के कारण ऐसा कर रहे हैं ।

पिछले एक साल में गंभीर के कोच रहते भारत ने चौथा टेस्ट गंवाया है । कोटक ने शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले कहा ,'' गौतम गंभीर, गौतम गंभीर (आलोचना) हो रहा है । मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे बुरा लग रहा है । यह कोई तरीका नहीं है ।' उन्होंने कहा कि कई बार लगता है कि आलोचना एजेंडे के चलते हो रही है । सौराष्ट्र के पूर्व खब्बू बल्लेबाज ने कहा ,'' शायद कुछ लोगों का व्यक्तिगत एजेंडा है । उन्हें शुभकामनायें लेकिन यह बहुत खराब है ।'' कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी

गंभीर की आलोचना हो रही है । भारतीय टीम 124 रन के साधारण लक्ष्य का पीछा करते हुए भी हार गई । गंभीर ने बाद में यह भी कहा कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी । वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे । कोटक ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि गंभीर के अलावा किसी से सवाल नहीं किया जा रहा है । उन्होंने कहा,'' कोई यह नहीं कह रहा कि बल्लेबाजों ने यह किया या गेंदबाजों ने गलती की या हम बल्लेबाजी में कुछ और कर सकते थे ।'' उन्होंने यह स्वीकार करने के लिये गंभीर की सराहना की कि उन्होंने ऐसी ही पिच मांगी थी । उन्होंने कहा,'' पिछले मैच में गंभीर ने सारा दोष खुद पर ले लिया । उसने कहा कि उसने ऐसा इसलिये किया क्योंकि उसे लगा कि क्यूरेटरों को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिये।'' कोटक का मानना है कि पिछले 15 साल में तकनीक और मानसिकता में बदलाव टी20 क्रिकेट अधिक खेले जाने से आया है । उन्होंने कहा ,'' अब दुनिया भर में ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो तीनों प्रारूप खेलते हैं लेकिन तीनों प्रारूपों में खेलने की तकनीक अलग अलग होती है । टेस्ट मैच में फुटवर्क पर काफी जोर रहता है और टी20 में पावर हिटिंग अहम है जिसमें फुटवर्क की उतनी भूमिका नहीं होती ।''

सुविचार

कर्म आपके कार्यों में नहीं, बल्कि आपकी इच्छा में होता है। आपके जीवन की घटनाएं नहीं; बल्कि उन घटनाओं के पीछे का संदर्भ कर्म पैदा करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुसीबत का फंदा है यह प्रस्ताव

म्यांमार में ऑनलाइन ठगी के केंद्रों में नौकरी के लिए जाने वाले लोगों में से भारतीय नागरिकों की बड़ी संख्या चिंताजनक है। उसके म्यावाड्डी शहर स्थित इन केंद्रों से मुक्त करवाकर 125 भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाया गया है। ये लोग विदेश में अच्छी कमाई करने गए थे, लेकिन वहां इन पर मुसीबतें टूट पड़ीं। साइबर ठगों ने सोशल मीडिया पर जाल बिछा रखा है। वे बेरोजगार युवाओं को शिकार बनाते हैं। उन्हें मोटी कमाई और खुशहाल जिंदगी के सब्ज बाग दिखाकर विदेश बुलाते हैं। उसके बाद अपनी 'कैद' में रखते हैं। भारत के बेरोजगार युवा कितनी आसानी से इनके झांसे में आ जाते हैं, इसका अंदाजा आंकड़ों से लगाया जा सकता है। इस साल मार्च से अब तक म्यांमार के ठगी केंद्रों से रिहा हुए कुल 1,500 भारतीय नागरिकों को थाईलैंड होते हुए स्वदेश लाया जा चुका है। युवाओं को पता होना चाहिए कि साइबर ठग उन्हें कथित नौकरी देने के नाम पर गुलाम बनाना चाहते हैं। म्यांमार में राजनीतिक अस्थिरता और अशांति का माहौल है। वहां ऐसी कौनसी नौकरी है, जिसे करने से भारतीय नागरिकों को लाखों रुपए की कमाई होगी? यह सवाल हर उस युवा के मन में जरूर उठना चाहिए, जो कमाई करने के लिए म्यांमार जाना चाहता है। उस देश की अर्थव्यवस्था बदहाल है, वहां कोई बड़ा उद्योग नहीं है, कई आर्थिक प्रतिबंध लगे हुए हैं। अचानक म्यांमार के हाथ कौनसा खजाना लग गया कि वहां विदेशी नागरिकों को नौकरी करने के लिए बुलाया जा रहा है? जो भारतीय युवा वहां जाकर फंस गए, उन्हें पहले समाचार पत्रों और वेबसाइटों से पूरी जानकारी लेनी चाहिए थी।

बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास की यह सलाह अत्यंत प्रासंगिक है कि 'भारतीय नागरिक विदेश में नौकरी का प्रस्ताव स्वीकार करने से पहले विदेशी नियोक्ताओं की विश्वसनीयता तथा भर्ती एजेंट एवं कंपनियों की जांच कर लें।' म्यांमार का म्यावाड्डी शहर साइबर अपराधियों का गढ़ बन चुका है। वहां से पिछले महीने ही 28 देशों के 1,500 लोग थाईलैंड पहुंचे थे। पिछले दो वर्षों में साइबर ठगी संबंधी कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। उनमें दिखाई दे रहे लोगों की भाषा, लहजे आदि का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि भारतीय नागरिकों के साथ पाकिस्तानी नागरिक भी इस धंधे में लगे हुए हैं। इसकी बड़ी वजह है- भाषा की समानता। साइबर ठग जानते हैं कि भारत में तेजी से डिजिटलीकरण हो रहा है, अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लोग अपनी जमा-पूंजी बैंक खातों में रखते हैं। उन्होंने पिछले दो वर्षों में लोगों के खातों से लाखों से लेकर करोड़ों रुपए तक उड़ाए हैं। म्यांमार में साइबर ठगी के गिरोह चलाने वाले अपराधियों में कई चीनी नागरिक बताए जा रहे हैं। जो व्यक्ति उनके यहां 'नौकरी' करने जाता है, वे उसके साथ बहुत क्रूरतापूर्ण व्यवहार करते हैं। वे ठगी के लिए टार्गेट देते हैं। अगर कोई व्यक्ति उसे हासिल करने में नाकाम रहता है तो उसकी पिटाई तक कर देते हैं। एक भारतीय युवा, जो बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाकर स्वदेश लौटा था, ने बताया था कि जब वहां उसकी तबीयत खराब हुई तो न दवा दी गई, न खाना दिया गया। बस, यह दबाव डालते रहे कि 'टार्गेट पूरे करें, ज्यादा से ज्यादा लोगों को लूटें!' भारत दो तरह से इन गिरोहों के निशाने पर है- वे भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन ठगी करते हैं, भारतीय युवाओं से यह अपराध करवाते हैं। इसके मद्देनज़र सरकार को डिजिटल सुरक्षा को और मजबूत बनाने की जरूरत है। साथ ही, विदेश में नौकरी के लिए जाने वाले नागरिकों को सतर्क रहना चाहिए। जो कंपनी बुला रही है, उसके बारे में जानकारी जुटाएं और अन्य कर्मचारियों के अनुभव जानें। बिल्कुल ही अनजान और बहुत ज्यादा कमाई का वादा करने वाली विदेशी कंपनी पर विश्वास करना जोखिम भरा हो सकता है।

ट्वीटर टॉक

मीडिया द्वारा पूछने कि एसआईआर पर कांग्रेस कब आंदोलन करेगी पर जवाब : अब देखिए हाईकमान ने फैसला किया परसों, कल-परसों मीटिंग हुई है, जो फैसला सुनाया आपको मिस्टर वेणुगोपाल ने, कि तय किया कि पहला वीक जो है दिसंबर में उसमें रामलीला मैदान में रैली होगी।

-अशोक गहलोत

राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था आज जिस बदहाली से गुजर रही है, वह भाजपा सरकार की नाकामी और गलत नीतियों का जीता जागता प्रमाण है। सत्ता में आए सरकार को 2 वर्ष हो गए हैं, लेकिन प्रदेश की स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के हाल बेहद शर्मनाक हैं।

-गोविंद सिंह डोटासरा

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रथम सत्र को संबोधित किया। बदलते वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की संरचना को समकालीन चुनौतियों के अनुरूप पुनर्संयोजित करने की आवश्यकता आज भी प्रासंगिक है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

तपस्या का हजारीबाग

बिहार के एक छोटे से गांव में हजारी नामक किसान अक्सर देखता था कि लोग हरे-भरे पेड़ों को उखाड़ फेंकते थे। जब पेड़ों पर कुल्हाड़ी का वार होता, तो वह बहुत दुखी होता। एक दिन उसने गांव के लोगों को एकत्रित कर कहा, 'अगर हम ऐसे ही पेड़ों को नष्ट करते रहे तो हमारा अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा।' जब हजारी को लगा कि लोग उसकी बात नहीं मानेंगे, तो उसने दृढ़ संकल्प किया कि वह प्रतिदिन खेत पर आते-जाते दो पौधे अवश्य लगाएगा और उनकी देखभाल भी करेगा। पहले लोगों ने उसे ऐसा करते देख मजाक उड़ाया, मगर जब उन्होंने देखा कि हजारी पर उनकी नकारात्मक बातों का कोई असर नहीं हो रहा, तो वे चुप हो गए। हालांकि, कुछ युवाओं ने हजारी का साथ देने का निश्चय किया और वे भी उसकी देखा-देखी पौधे लगाने लगे। इस तरह कुछ ही समय में वहां पर कई पेड़ लहलहाते नजर आने लगे और उस स्थान का कायापलट हो गया। हजारों पेड़ों की कतार यहां का प्रमुख आकर्षण बन गई। धीरे-धीरे इस स्थान को लोगों ने हजारी की अद्भुत तपस्या के कारण 'हजारीबाग' कहना शुरू कर दिया।

सामयिक

नक्सली माओवाद गिनता अंतिम सांसें

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

छत्तीसगढ और आंध्रप्रदेश की सीमा पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने शीर्ष माओवादी क्रूर हिंसा के प्रतीक बन चुके हिड़मा को मार गिराने के बाद सात अन्य नक्सलियों को मार गिराने के साथ तय है, कि अब नक्सली हिंसा अपने अंतिम चरण में है। मार्च 2026 तक इसका समूल नाश हो जाएगा, क्योंकि अब प्रमुख नक्सली सरगनाओं की गिनती मात्र 3-4 तक सिमट गई है। यदि वे हथियार डालकर समर्पण नहीं करते हैं तो उनका भी अंत होना तय है। हालांकि इस मुठभेड़ में मप्र के बालाघाट में पदस्थ निरीक्षक आशीष शर्मा को बालिदान देना पड़ा है। माओवादी अर्से से देश में एक ऐसी जहरीली विचारधारा रही है, जिसे नगरीय बौद्धिकों का समर्थन मिलता रहा है। ये बौद्धिक नक्सली संगठनों को आदिवासी समाज का हितचिंतक मानते रहे हैं, जबकि जो आदिवासी नक्सलियों के विरोध में रहे, उन्हें इनकी हिंसक क्रूरता का शिकार होना पड़ा है। बावजूद इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि देश के वामपंथी दलों को कभी भी सुरक्षाबलों का नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा सफाये का अभियान पसंद नहीं आया। इससे पहले छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता तब मिली थी, जब डेढ़ करोड़ के इनामी बसव राजू समेत 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। यह कुख्यात दरिंदा होने के साथ गुरिल्ला लड़ाका था। माओवादी पार्टी का इसे पर्याय माना जाता था। इसका नक्सली सफर 1985 से शुरू हुआ था। इसने वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की थी।

नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार की कोशिश है कि सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी जाएं जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात करने जा रहा है। केंद्र सरकार की कोशिश है कि 31 मार्च 2026 तक इस क्षेत्र को पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त कर दिया जाए। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में वर्ष 2024 में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। सह का कहना है कि 2004-14 की तुलना में 2014 से 2024 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थीं, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004 से 2014 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई हैं और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया हैए उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर षिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वह आदिवासी बहुल इलाके हैं, जिनमें ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना मुश्किल होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों में छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे।

एक उपाय यह भी हुआ कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए थे, उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं।

इस मुठभेड़ में मारे गए हिड़मा का बस्तर के इस जंगली क्षेत्र में बोलबाला रहा है। वह सरकार और सुरक्षाबलों को लगातार चुनौती दे रहा था, जबकि राज्य एवं केंद्र सरकार के पास मोदी सरकार से पहले रणनीति और दृढ़ इच्छा शक्ति की हमेशा कमी रही थी। तथाकथित शहरी माओवादी बौद्धिकों के दबाव में भी मनमोहन सिंह सरकार रही। इस कारण भी इस समस्या का हल दूर की कौड़ी बना रहा। यही वजह थी कि नक्सली क्षेत्र में जब भी कोई विकास कार्य या चुनाव प्रक्रिया संपन्न होती थी तो नक्सली उसमें रोड़ा अटका देते थे। अब हिड़मा के मारे जाने के बाद नक्सली समस्या का हल की गुंजाइश बढ़ गई है। कांग्रेस की पूर्व केंद्र तथा छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार नक्सली समस्या से निपटने के लिए दावा कर करती रही हैं कि विकास इस समस्या का निदान है। यदि तत्कालीन छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के विकास संबंधी विज्ञापनों में दिए जा रहे आंकड़ों पर भरोसा करें तो छत्तीसगढ़ की तस्वीर विकास के मानदण्डों को छूती दिख रही है, लेकिन इस अनुपात में यह दावा बेमानी है कि समस्या पर अंकुश विकास की धारा से लग रहा है, क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को नक्सली बनाए जाने के प्रमाण भी मिले थे।

बावजूद कांग्रेस के इन्हीं नक्सली क्षेत्रों से ज्यादा विधायक जीतकर आते रहे थे। हालांकि नक्सलियों ने कांग्रेस पर 2013 में बड़ा हमला बोलकर लगभग उसका सफाया कर दिया था। कांग्रेस नेता महेन्द्र कर्मा ने नक्सलियों के विरुद्ध सलवा जुडूम को 2005 में खड़ा किया था। सबसे पहले बीजापुर जिले के ही कुर्तु विकासखण्ड के आदिवासी ग्राम अंबेली के लोग नक्सलियों के खिलाफ खड़े होने लगे थे। नतीजतन नक्सलियों की महेंद्र कर्मा से दुश्मनी ठन गई थी। इस हमले में महेंद्र कर्मा के साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंदकुमार पटेल और हरिप्रसाद समेत एक दर्जन नेता मारे गए थे। लेकिन कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में अपनी खोई शक्ति फिर से हासिल कर ली थी, बावजूद नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाई थी। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अपदस्थ कर भाजपा फिर सत्ता में आई, उसके बाद से ही नक्सलियों के सफाए का सिलसिला चल रहा है।

दरअसल, देश में अब तक तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोला था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की थी और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती हैं। लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगने जा रहा है।

नजरिया

लोकतंत्र की कसौटी पर चुनाव आयोग

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

भारतीय लोकतंत्र की इस घड़ी में सबसे महत्वपूर्ण तत्व सिर्फ राजनीतिक बहस नहीं, बल्कि उस बहस का मूल चरित्र है। लोकतंत्र में संस्थाओं की रक्षा तभी संभव है जब वे जनता की नज़र में न केवल विश्वसनीय हों, बल्कि उनकी कार्यप्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही के आधुनिक मानकों पर खरी उतरे। विपक्ष की आलोचना और नागरिकों की चिंताओं दोनों को संतुलित रूप से सुना जाना चाहिए। असली सवाल यह है कि क्या भारत अपनी लोकतांत्रिक परिपक्वता को इतना मजबूत रख सकेगा कि राजनीतिक जंग संस्थागत विश्वास को न कुचल दे।

भारतीय लोकतंत्र इस समय ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ संस्थागत साख और राजनीतिक जवाबदेही के बीच संघर्ष असाधारण रूप से तीखा हो गया है। हाल ही में 272 नागरिकों (पूर्व जजों, नौकरशाहों, राजनयिकों और सैन्य अधिकारियों) द्वारा जारी खुले पत्र ने इस संघर्ष को और अधिक स्पष्ट और संवेदनशील बना दिया है। पत्र में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर संवैधानिक संस्थाओं- विशेषकर चुनाव आयोग-की विश्वसनीयता को बदनाम करने का आरोप लगाया गया है। दूसरी ओर विपक्ष का तर्क है कि ये सभी हस्ताक्षरकर्ता सत्ता से कठिन सवाल पूछने का साहस नहीं कर पा रहे, जबकि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर वास्तविक और गंभीर शंकाएँ मौजूद हैं। यह पूरा विवाद भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, संस्थागत पारदर्शिता और राजनीतिक संवाद की बदलती प्रकृति का दर्पण बन गया है।

नागरिकों के इस पत्र में कहा गया कि विपक्ष जानबूझकर सेना, न्यायपालिका, संसद और अब चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर हमला कर रहा है। पत्र में विशेष रूप से राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों पर सवाल उठाए गए, जिनमें उन्होंने दावा किया था कि उनके पास 100 प्रतिशत सबूत हैं, जबकि उन्हें न तो औपचारिक शिकायत के रूप में पेश किया गया, न हलफनामे के रूप में। पत्र में यह भी रेखांकित किया गया कि चुनाव आयोग की ज्ख्ठ प्रक्रिया-जिसमें मतदाता सूची की समीक्षा, अवैध नामों को हटाना और पात्र मतदाताओं को जोड़ना शामिल है-पूर्णतः पारदर्शी और सार्वजनिक है। हस्ताक्षरकर्ताओं के अनुसार, केवल राजनीतिक हार के आधार पर आयोग की भूमिका पर संदेह उठाना चयनात्मक आक्रोश है, क्योंकि जीत के समय कोई ऐसी आलोचना सामने नहीं आती। उनके अनुसार मतदाता सूची की पवित्रता बनाए रखना विश्व के किसी भी लोकतंत्र में अपरिहार्य है, और भारत को भी इसी सिद्धांत पर कायम रहना चाहिए।

परंतु कांग्रेस की प्रतिक्रिया उतनी ही तीखी और आरोपों से भरी थी। उनका कहना है कि यह पत्र वस्तुतः चुनाव आयोग की संभावित लापरवाही या पक्षपात पर उठ रहे सवालों से ध्यान हटाने का प्रयास है। कांग्रेस प्रवक्ता का यह तर्क कि 272 लोगों में से एक भी पूर्व चुनाव आयुक्त नहीं है, और न ही कोई ऐसा व्यक्ति है जिसने चुनावी प्रबंधन में प्रत्यक्ष भूमिका निभाई हो, इस पत्र की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। विपक्ष यह भी कहता है कि मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों, जैसे एक ही पते पर दर्जनों नाम, फर्जी पते, डुप्लिकेट प्रविष्टियाँ और बिना फोटो पहचान के वोट देने की घटनाओं पर लगातार रिपोर्ट सामने आती रही हैं, फिर भी चुनाव आयोग ने इन मामलों को लेकर पर्याप्त पारदर्शिता या सक्रियता नहीं दिखाई। यह प्रश्न इसलिए और जटिल हो जाता है क्योंकि लोकतंत्र में संस्थाओं को सम्मान देना जितना आवश्यक है, उनसे सवाल पूछना उतना ही अनिवार्य-और वैध-कदम है। केवल आरोप लगाना पर्याप्त नहीं होता, लेकिन केवल आरोपों को खारिज कर देना भी किसी स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकेत नहीं कहा जा सकता। आधुनिक लोकतंत्र केवल निष्पक्ष होने से नहीं चलता; उसे निष्पक्ष दिखना भी पड़ता है। जब जनता का विश्वास किसी संस्था की ओर से डगमगाने लगता है, तब सवालों को संस्थाओं पर हमला' बता देना राजनीतिक दृष्टि से सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से यह खतरनाक संकेत माना जाएगा।

भारतीय राजनीति में बढ़ते ध्रुवीकरण ने इस विवाद को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। राजनीतिक दल जब अपने-अपने चश्मों से संस्थागत क्रियाकलापों को देखने लगते हैं, तो किसी भी निष्कर्ष पर पहुँच पाना कठिन हो जाता है। विपक्ष की शिकायत है कि चुनाव आयोग अपने निर्णयों पर औपचारिक और तकनीकी रूप से पारदर्शी होते हुए भी राजनीतिक रूप से अप्रत्यक्ष दबावों से मुक्त दिखाई नहीं देता। वहीं सत्ता पक्ष और पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले नागरिकों का मत है कि केवल राजनीतिक लाभ के लिए आयोग को कटघरे में खड़ा करना देश की लोकतांत्रिक संरचना को कमजोर करता है। यह दो तरह का अविश्वास है- एक तरफ संस्थाओं पर, और दूसरी तरफ विपक्ष की मंशा पर।

इस पूरे प्रकरण की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि दोनों पक्ष आंशिक रूप से सही हैं, और दोनों ही लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा हैं। विपक्ष यदि यह कहता है कि मतदाता सूची में गड़बड़ियाँ हैं, तो इन दावों का स्वतंत्र ऑडिट किया जाना चाहिए। और यदि नागरिक समूह यह कहता है कि बिना सबूत आरोप लगाना संस्थागत साख को चोट पहुँचाता है, तो इसमें भी तर्क है। समस्या तब पैदा होती है जब कोई भी पक्ष अपने दावे को तथ्यों, औपचारिक शिकायतों और सत्यापित प्रक्रियाओं के बजाय भावनात्मक और राजनीतिक आरोपों पर आधारित कर देता है।

भारतीय लोकतंत्र की इस घड़ी में सबसे महत्वपूर्ण तत्व सिर्फ राजनीतिक बहस नहीं, बल्कि उस बहस का मूल चरित्र है। लोकतंत्र में संस्थाओं की रक्षा तभी संभव है जब वे जनता की नज़र में न केवल विश्वसनीय हों, बल्कि उनकी कार्यप्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही के आधुनिक मानकों पर खरी उतरे। विपक्ष की आलोचना और नागरिकों की चिंताओं दोनों को संतुलित रूप से सुना जाना चाहिए। असली सवाल यह है कि क्या भारत अपनी लोकतांत्रिक परिपक्वता को इतना मजबूत रख सकेगा कि राजनीतिक जंग संस्थागत विश्वास को न कुचल दे। लोकतंत्र की शक्ति यही है कि उसमें विवाद होते हैं-पर उसका अस्तित्व तभी सुरक्षित रह सकता है, जब विवाद तथ्यों और नैतिक मर्यादा पर आधारित हों, न कि शोर या संदेह के ध्रुवीकरण पर।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गौरव दिवस

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में 'जनजातीय गौरव दिवस 2025' (ट्राइबल प्राइड डे) सेलिब्रेशन के दौरान पारंपरिक कपड़ों में आदिवासी कलाकार।

नेहरू अभिलेखागार
सिर्फ एक क्लिक पर उपलब्ध होंगे 35 हजार दस्तावेज

नई दिल्ली/भाषा। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कार्यों और पत्राचार के बारे में जानने के उत्सुक लोगों को अब महज एक क्लिक भर से ये सब उपलब्ध हो सकेगा क्योंकि 'जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड' (जेएनएमएफ) ने नेहरू से संबंधित लगभग 35,000 दस्तावेज और 3000 चित्रों को समेटकर एक बड़ा ऑनलाइन अभिलेखागार तैयार किया है।

जेएनएमएफ का कहना है कि 'नेहरू आर्काइव डॉट इन' पर नेहरू के संबंध में 1920 से 1960 के दशक तक के कई पहलुओं को समेटा गया है तथा इस पर कोई दस्तावेज मुफ्त में 'सर्च' और 'डॉउनलोड' किया जा सकता है।

जेएनएमएफ की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है, ''कुल 100 वॉल्यूम को डिजिटल स्वरूप दिया गया है और इसमें किसी भी सामग्री को मुफ्त सर्च और डाउनलोड किया जा सकता है। इसमें वास्तविक प्रिंट संस्करण भी डिजिटल सामग्री के साथ उपलब्ध हैं।''

उसका कहना है, ''यह ऑनलाइन संस्करण उन सभी के लिए बहुत फ़ायदेमंद होगा जो 1920 से 1960 के दशक तक के भारतीय इतिहास के किसी भी पहलू का अध्ययन करना चाहते हैं। ये वो साल थे जब नेहरू आज़ादी के आंदोलन के एक बड़े नेता थे और देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे।''

इस अभिलेखागार में लगभग 35,000 दस्तावेज और लगभग 3000 चित्र हैं। वॉल्यूम 44 के बाद से, यानी सितंबर 1958 से नेहरू के भाषण मूल रूप से हिंदी में और इनके अंग्रेजी अनुवाद भी उपलब्ध हैं।''

विरोध

कोलकाता में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रोसीजर का विरोध करते लोग।

भारत गरीबी कम करने के लक्ष्य को पाने की राह पर : यूनिसेफ

नई दिल्ली/भाषा। भारत 2030 की समयसीमा से पहले बहुआयामी गरीबी को आधा करने के अपने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को हासिल करने की राह पर है। हालांकि, लाखों बच्चे अब भी शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छ पानी जैसी बुनियादी सेवाओं तक पहुंच में गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। यूनिसेफ ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

'द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2025: एंडिंग चाइल्ड पॉवर्टी आवर शेयर्ड इम्पेरेटिव' रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 20.6 करोड़ बच्चे-जो देश की बाल आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं-शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पोषण, स्वच्छ पानी और स्वच्छता सहित छह आवश्यक सेवाओं में से कम से कम एक तक पहुंच से वंचित हैं। रिपोर्ट में कहा गया, इनमें से एक-तिहाई से भी कम (6.2 करोड़) बच्चों की पहुंच दो या उससे अधिक बुनियादी सेवाओं तक नहीं है, और उन्हें दो या अधिक कमियों से उबरने के लिए अब भी सहायता की आवश्यकता है।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 46 करोड़ बच्चों में से आधे से ज़्यादा बच्चों को अब बुनियादी सेवाएं मिल रही हैं, लेकिन प्रगति अब भी एक जैसी नहीं है। यूनिसेफ ने कहा, भारत ने गरीबी कम करने की दिशा में तरक्की की है - जो 2030 के आखिर से पहले एसडीजी 1.2 को पाने की दिशा में आगे बढ़ने का एक मजबूत संकेत है - जबकि दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में बच्चों की भलाई में निवेश रुका हुआ है।

संस्था ने कहा कि गरीबी उन्मूलन में भारत की प्रगति बाल गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण रही है। राष्ट्रीय बहु-आयामी गरीबी सूचकांक का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि 2013-14 और 2022-23 के बीच 24.8 करोड़ भारतीय बहु-आयामी गरीबी से उबर गए, और राष्ट्रीय गरीबी दर 29.2 प्रतिशत से गिरकर 11.3 प्रतिशत हो गई।

सामाजिक सुरक्षा दायरे में भारी बढ़ोतरी देखी गई जो 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत हो गई है। सामाजिक सुरक्षा की पहुंच 94 करोड़ नागरिकों तक हो गई है, जिसने इस बदलाव में काफी योगदान दिया है।

यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैक्कैफ्रे ने कहा, बच्चों में निवेश करने से ज्यादा बेहतर निवेश कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की तरक्की दिखाती है कि असरदार कार्यक्रम को और तेज करने से आखिरी व्यक्ति तक पहुंचने और भारत के 'विजन 2047' तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि बच्चों की कुशलता में सुधार सिर्फ संसाधनों के बारे में नहीं है...यह हमारे हर फैसले में बच्चों को प्राथमिकता देने की सामूहिक इच्छा और नेतृत्व के बारे में है।

भारत ने द्वीपीय देशों की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एकजुट वैश्विक कार्रवाई का आग्रह किया

बेलेम (ब्राजील)/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के लिए ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने हेतु समन्वित वैश्विक प्रयासों का आह्वान करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा परिवर्तन और सामाजिक क्रांति का एक महत्वपूर्ण उपकरण है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) एसआईडीएस मंच के उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय नेतृत्व सत्र में बुधवार को यादव ने आईएसए के माध्यम से द्वीपीय देशों को भारत के समर्थन को रेखांकित किया और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश के तेजी से विस्तार की ओर इशारा किया।

यादव ने कहा कि छोटे द्वीपीय विकासशील देशों (एसआईडीएस) को आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता, जलवायु संबंधी व्यवधानों और कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण 'अद्वितीय कमजोरियों' का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किफायती, स्वच्छ और लचीली ऊर्जा प्रणालियों को बढ़ाने के लिए सामूहिक स्तर पर कार्रवाई आवश्यक है।

आईएसए एसआईडीएस मंच का उद्देश्य मानकीकृत खरीद, मिश्रित वित्त और स्थानीय क्षमता निर्माण के जरिये सौर प्रौद्योगिकियों तक पहुंच को आसान बनाने के लिए एक डिजिटल और वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

यहां यूएनएफसीसीसी कॉप 30 के अवसर पर आयोजित उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय नेतृत्व सत्र में एसआईडीएस और आईएसए के सदस्य देशों के मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि एक साथ आए।

आईएसए के माध्यम से द्वीपीय देशों को भारत के समर्थन को रेखांकित करते हुए यादव ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश के तेजी से विस्तार का विवरण दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''आज भारत की स्थापित विद्युत क्षमता 500 गीगावाट को पार कर चुकी है और इसमें से आधे से अधिक स्वच्छ ऊर्जा है।

'मस्ती 4' में काम करना सपने के सच होने जैसा : रुही सिंह

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में जब कोई नया कलाकार किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनता है, तो उसके लिए यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक बड़ा मौका होता है, अपने हुनर को दिखाने का, लोगों तक अपनी पहचान पहुंचाने का और उन सितारों के साथ काम करने का, जिन्हें वे सालों से पर्दे पर देखते आए हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव एक्ट्रेस रुही सिंह का भी रहा, जिन्होंने आने वाली फिल्म 'मस्ती 4' में कई मशहूर अभिनेताओं के साथ काम किया है। यह फिल्म पहले से चर्चित 'मस्ती' फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसकी वजह से लोगों में पहले ही काफी उत्साह है। रुही के लिए यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने का मौका भी है। रुही सिंह ने बताया कि 'मस्ती 4' की शूटिंग उनके लिए एक खास सफर था। फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के जाने-माने नाम आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और अरशद वारसी जुड़े हुए हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना शानदार अनुभव रहा। रुही सिंह ने कहा, ''हर अभिनेता अपनी एक अलग ऊर्जा लाता है, और यह फिल्म मेरे लिए सीखने का एक बेहतरीन मौका बनी। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता और कलाकारों की टीम ने मुझे अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी।''

फिल्म में रुही की जोड़ी अभिनेता आफताब शिवदासानी के साथ है। आफताब के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा, ''वह बहुत ही विनम्र और सादगी भरे इंसान हैं। मेरे परिवार के सभी सदस्य और दोस्त आफताब को पहले से पसंद करते आए हैं, इसलिए उनके साथ काम करने का मौका मिलना किसी सपने के सच होने जैसा है।'' इसके बाद उन्होंने बाकी कलाकारों की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''रितेश देशमुख कमाल के अभिनेता हैं, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और नेचुरल एक्टिंग सभी को प्रभावित करती है।'' विवेक ओबेरॉय के बारे में उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी यादगार होती है और वे हर किरदार में गहराई जोड़ते हैं। इंटरव्यू के दौरान जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि इतने बड़े स्टारकास्ट वाली फिल्म में क्या उन्होंने अपने रोल को लेकर कभी चिंता की, इस पर रुही ने जवाब देते हुए कहा, मेरे लिए भूमिका छोटी या बड़ी होने का कोई मतलब नहीं है। अगर किरदार को ईमानदारी से निभाया जाए तो वह अपने आप दर्शकों पर प्रभाव छोड़ता है।

मैं इस फिल्म का हिस्सा इसलिए बनना चाहती थी क्योंकि यह एक बड़े स्तर की फिल्म है, जिसे देखने लाखों लोग आएंगे, और मैं चाहती थी कि उन दर्शकों के बीच मेरा चेहरा और नाम पहचाना जाए। उन्होंने बताया कि अपने रोल को लेकर वे पूरी तरह खुश हैं और उन्होंने उस पर बहुत मेहनत भी की है। 'मस्ती 4' में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी, तुषार कपूर, एलनाज नौरोजी, शाद रंधावा और अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है। यह 21 नवंबर को थिएटर में रिलीज होगी।

धनुष के साथ और भी फिल्मों में काम करना चाहती हैं कृति सेनन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कृति सेनन और साउथ सिनेमा के सुपरस्टार धनुष की जोड़ी जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाली है। फैंस उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दर्शक इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। फिल्म को आनंद एल राय ने निर्देशित किया है और हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने इसकी कहानी को लिखा है।

ए.आर. रहमान का संगीत और इरशाद कामिल के गाने इस फिल्म को और भी खास बना रहे हैं। एक इंटरव्यू में कृति सेनन ने इस फिल्म का अनुभव साझा किया।

उन्होंने बताया कि धनुष के साथ काम करना उनके लिए रोमांचक भरा अनुभव रहा। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा से धनुष के अभिनय और उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। वह अभिनय के हर पहलू को गहराई से समझने वाले कलाकार हैं। उनका अभिनय और निर्देशन का अनुभव सीन को पर्दे पर सही तरीके से पेश करने में बहुत मदद करता है।''

कृति ने कहा, ''धनुष अपने किरदार में कई अलग-अलग भाव और पहलुओं को बहुत खूबसूरती से सामने लाते हैं। मुझ पर उनके साथ काम करने का बेहद उत्साह था, क्योंकि मुझे पता था कि धनुष के साथ काम करते हुए मैं अपनी कला और बेहतर तरीके से दिखा सकूंगी। हमने सेट पर एक-दूसरे को पहली बार देखा, लेकिन इसका असर अभिनय पर बिल्कुल नहीं पड़ा।'' कृति ने बताया कि फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं जो काफी गहराई वाले हैं, और ऐसे सीन तभी प्रभावशाली बनते हैं जब दोनों कलाकार एक-दूसरे से प्रेरणा लें और अपने अभिनय में उसे महसूस कर सकें। कृति ने कहा, जब कोई सीन अच्छा निकलता, तो हम दोनों एक-दूसरे की ओर देखकर कहते, 'यह सीन बहुत अच्छा हुआ।' मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मुझे धनुष के साथ और भी फिल्मों में काम करने का मौका मिलेगा। फिल्म 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

बाला साहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य बनेंगे विलेन

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री में नए चेहरों का आना हमेशा से दर्शकों का उत्साह बढ़ाता है, खासकर तब जब उन्हें बड़े स्तर की फिल्मों में मौका मिल रहा हो। इस कड़ी में इन दिनों फिल्म निर्देशक अली अब्बास जफर की आगामी एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म की चर्चा खूब हो रही है, क्योंकि इसमें शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे विलेन के तौर पर नजर आने वाले हैं। यह खबर सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों में दिलचस्पी और भी बढ़ गई है। इस फिल्म में 'सैयारा' फेम अहान पांडे और 'मुंज्या' फेम शरवरी वाघ हैं। इस फिल्म के बारे में आईएएनएस के एक करीबी सूत्र ने बताया, ''अली अब्बास जफर बड़े स्तर के एक्शन और भावनाओं से भरी कहानियां बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस फिल्म में भी वह उसी दमदार निर्देशन का प्रदर्शन करेंगे।'' सूत्र का कहना है कि अहान पांडे और ऐश्वर्य ठाकरे के बीच होने वाला आमना-सामना दर्शकों के लिए बड़े पर्दे पर लड़ाई जैसा होगा। फिल्म को बड़े बजट के साथ बनाया जा रहा है। रोमांस कहानी के केंद्र में होगा और एक्शन पूरी फिल्म में उत्साह और रोमांच का माहौल बनाए रखेगा।

फिल्म को इस तरह शूट किया जा रहा है कि दर्शक कहानी में पूरी तरह जुड़ जाएं। इसमें न सिर्फ खूबसूरत लोकेशन और बड़े सेटस देखने को मिलेंगे, बल्कि एक से बढ़कर एक एक्शन सीक्वेंस भी होंगे जो दर्शकों को चौंकाने का काम करेंगे। अली अब्बास जफर इस फिल्म में किसी भी तरह की कमी नहीं छोड़ना चाहते। वह हर सीन को बड़े पैमाने पर शूट करने की तैयारी कर रहे हैं।सूत्र ने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात स्टारकास्ट है। अली अब्बास जफर तीन ऐसे कलाकारों के साथ काम कर रहे हैं, जिनमें भविष्य का बड़ा सितारा बनने की क्षमता है।इससे पहले 17 नवंबर को एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें अहान पांडे इस फिल्म के लिए रोजाना चार से पांच घंटे की ट्रेनिंग लेते दिख रहे हैं, जिसकी शुरुआत पहले बॉक्सिंग से होती है और फिर धीरे-धीरे मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी इसमें शामिल हो जाती है।

शिल्पा-मिथुन की ऑनस्क्रीन जोड़ी आज भी फेवरेट, फैंस की डिमांड पर की नौ फिल्में

मुंबई/एजेन्सी

1990 और 2000 के दशक के बीच बॉलीवुड में कई अभिनेत्री आईं और चली गईं, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं, जो आज भी दर्शकों के दिलों में बसे हैं। शिल्पा शिरोडकर उन्हीं में से एक हैं। अपनी खूबसूरती, अदाकारी और स्क्रीन पर सहज हाव-भाव के लिए प्रसिद्ध शिल्पा ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया। लोगों ने उनकी ऑनस्क्रीन जोड़ी अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के साथ बेहद पसंद की। उन्होंने कुल नौ फिल्मों में मिथुन के साथ काम किया और हर बार दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने सराहा। शिल्पा शिरोडकर का जन्म 20 नवंबर 1973 को मुंबई में हुआ। उनके परिवार का फिल्म इंडस्ट्री और थिएटर से गहरा तालुक रहा है। उनकी दादी मीनाक्षी शिरोडकर मराठी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री थीं और उनकी मां गंगू बाई भी अभिनय से जुड़ी थीं। इस तरह शिल्पा को बचपन से ही फिल्मों और अभिनय की दुनिया का अनुभव मिला। उनकी छोटी बहन नम्रता शिरोडकर भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं और 1993 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीत चुकी थीं।

शिल्पा ने करियर की शुरुआत 1989 में फिल्म 'भ्रष्टाचार' से की। इस फिल्म का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था, जिन्होंने उन्हें मिथुन चक्रवर्ती और रेखा के साथ काम करने का मौका दिया। फिल्म में शिल्पा ने अंधी लड़की का किरदार निभाया। यह उनका पहला बड़ा ब्रेक था। हालांकि, इस फिल्म से उन्हें लोकप्रियता तो नहीं मिली, लेकिन उनके टैलेंट की सराहना हुई।

उन्हें पहचान 1990 में आई 'किशन कन्हैया' से मिली। इस फिल्म में उनके साथ मुख्य अभिनेता अनिल कपूर थे और शिल्पा ने राधा का किरदार निभाया। दर्शकों ने उनके अभिनय को पसंद किया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। इसी दौरान शिल्पा और मिथुन की जोड़ी पहली बार नजर आई और उनके बीच की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब भाई। इसके बाद शिल्पा ने कई हिट फिल्मों में काम किया। इनमें 'योद्धा', 'खुदा गवाह', 'आंखें', 'गोपी किशन', 'बेवफा सनम' और 'मृत्युदंड' जैसी फिल्में शामिल हैं। मिथुन चक्रवर्ती के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों की सबसे पसंदीदा जोड़ी में से एक बन गई। दोनों ने साथ में कुल नौ फिल्मों में काम किया और हर बार उनकी परफॉर्मेंस की खूब तारीफ हुई। शिल्पा ने अपने करियर में कई पुरस्कारों के लिए नामांकन भी हासिल किए।

उन्हें 1993 में फिल्म 'खुदा गवाह' में उनके रोल के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए नामांकित किया गया। उनकी मेहनत, दमदार अभिनय और स्क्रीन पर सहज अंदाज ने उन्हें दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई। साल 2000 में शिल्पा ने यूके के बैंकर अपरेश रंजीत से शादी कर इंडस्ट्री से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने करीब 13 साल तक अभिनय से ब्रेक लिया और परिवार के साथ समय बिताया। हालांकि, साल 2013 में उन्होंने टीवी शो 'एक मुट्ठी आसमान' के जरिए छोटे पर्दे पर वापसी की और फिर कई अन्य टीवी शोज में भी नजर आईं। वह कलर्स चैनल के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' में भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आई, लेकिन फिनाले से कुछ पहले टॉप 6 में रहते हुए बाहर हो गई।

कर्म पर करें पूरा फोकस, परिणाम पर नहीं : रवीना

नई दिल्ली/एजेन्सी

90 के दशक की एक्ट्रेस रवीना टंडन आज भी फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक छाई हुई हैं। एक्ट्रेस जल्द ही अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम टू द जंगल' में दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच रवीना ने सिंपल और अच्छी लाइफ जीने के लिए भगवद गीता के कुछ अनमोल वचन शेयर किए हैं। अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और भगवद गीता के अच्छे वचनों को शेयर किया है। पोस्ट में लिखा है, अपने कर्म पर पूरा फोकस करें, ये जाने बिना कि आगे इसका परिणाम क्या होगा। कर्म पर फोकस करें न कि उसके रिजल्ट पर। दूसरे पोस्ट में लिखा, जीत होने पर ज्यादा खुशी जाहिर न करें और अपनी हार पर ज्यादा दुखी न हों, जिंदगी को संतुलन के साथ चलाएं। एक अन्य पोस्ट पर लिखा है, ईमानदारी और दयालुता ही इंसान की असली ताकत होती है, हमेशा वहीं चुनें जो सही है, न कि सरल। फैंस को भी एक्ट्रेस के ये विचार काफी पसंद आ रहे हैं। रवीना टंडन एक्ट्रेस होने के समाज सेविका भी हैं। वे अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पशु-पक्षियों पर दया दिखाने की अपील फैंस से करती हैं। दिल्ली में सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर में बंद करने के आदेश पर एक्ट्रेस ने अपनी भड़ास निकाली थी और फैसले को असंवेदनशील बताया था। उन्होंने कहा था कि कुत्तों को शेल्टर होम में बंद कर देना कोई स्थाई समाधान नहीं है। इसके बदले आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण करने के बाद उन्हें छोड़ देना चाहिए।

रवीना टंडन को इसी महीने टेलीविजन सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' में निगेटिव भूमिका के लिए दादा साहब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पुरस्कार से नवाजा गया। इससे पहले उन्हें साल 2022 में भी 'अरण्यक' वेबसीरीज के लिए भी दादा साहब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। उन्होंने सीरीज में कस्तूरी डोगरा के किरदार के लिए ये अवॉर्ड जीता था। उन्होंने अपने करियर में तमाम अवॉर्ड जीते हैं इतना ही नहीं। उनकी बेटी राशा टंडन भी फिल्मों में कदम रख चुकी हैं।

शरीर धर्म साधना का माध्यम है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, डॉ मेघाश्रीजी गुरुवार को श्रीरामपुरम से विहार करके मंजुनाथनगर स्थित ओलिटी अपार्टमेन्ट में माणकचन्द, नवीन धाणेशा ने निवास पहुंचे। जहां उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि शरीर यह एक जन्म का साथी है लेकिन हमारी आत्मा सदा शाश्वत अनंत काल तक हमारे साथ रहने वाली है।शरीर पंच तत्वों से बना है और यही संसार में ही विनष्ट हो जाता है। शरीर का बल टिका हुआ है जब तक इसमें आत्मा रही हुई है। शरीर के माध्यम से ही धर्म साधना होती है। उन्होंने कहा कि इस शरीर को खूब खिला पिला कर इसको भाड़ा देकर फिर इससे भरपूर काम भी लेना चाहिए। जिसके लिए कम से कम चौबीस घंटे में से एक घंटा हमें अपनी आत्मा के लिए, आत्म कल्याण की दिशा में एक सामायिक व्रत साधना के लिए जरूर निकालना चाहिए। तभी इस शरीर की सार्थकता हो सकती है। शरीर की आसक्ति, मोह ममता, ममत्व से नरक तो शरीर के द्वारा धर्म की आराधना साधना करके जीव मुक्ति को भी प्राप्त कर सकता है। ङ्गसंतश्री ने कहा कि हमारा पुरुषार्थ आत्मा के हित, कल्याण की दिशा में होना चाहिए। भक्ति की ताकत शक्ति से बड़ी होती है। हमारा चिंतन होना चाहिए कि जो आत्मा सदा शाश्वत हमेशा हमारे साथ रहने वाली है उसके सुख शांति कल्याण की दिशा में हमारा कितना सम्यक आचरण पुरुषार्थ पराक्रम हो रहा है तभी हमारे जीवन का कल्याण संभव है। मुनिश्री ने गुरु भक्त धाणेशा परिवार की गुरु भक्ति, सेवा, समर्पण भावना की भी सराहना करते हुए उन्हें साधुवाद दिया। शालिभद्र मुनिजी ने एक भजन के माध्यम से अपनी बात रखते हुए कहा कि जब अनन्त पुण्य का उदय होता है तभी संत चरण और उनके दर्शन वंदन, सेवा का महान सौभाग्य मिलता है। गुरु हमें जीवन जीने की सही कला सीखाते है। जो भी हम है सब गुरु की कृपा से हैं। गुरु के सान्निध्य में आने से सब दुविधा मिट जाती है। गुरु का पथ प्रदर्शन पग पग पर मंगलकारी है। गगन में जितने तारें हो, उतने शत्रु हों तो भी जिस पर गुरु की कृपा हो, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता है। आवश्यकता है सच्चे मन से गुरु पर पूर्ण आस्था श्रद्धा और समर्पण भाव की। प्रारंभ में साध्वी डॉ मेघाश्रीजी ने कहा कि कल्याण मित्र बनाएं जो आपको संसार के सुख वैभव, विलासिता में नहीं बल्कि आपको धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने वैरागी लवेश सिंघवी के संयम मार्ग पर कदम बढ़ाने पर मंगल अनुमोदना करते हुए कहा कि कोई शूरवीर ही संयम मार्ग पर आगे बढ़ कर दीक्षा ले सकता है। इस अवसर पर माणकचन्द धाणेशा परिवार की ओर से मुमुक्षु का सम्मान किया गया। इस अवसर पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर भवन के अनेक ट्रस्टी, पदाधिकारी सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मारवाड़ काँठा समाज की पहली बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

संस्था संचालन के लिए सदस्यों ने अर्थ सहयोग की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ के काँठा क्षेत्र के तेरापंथ समाज के प्रवासियों का संगठन 'मारवाड़ कांठा समाज' की नई कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक गांधीनगर तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। संगठन के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इस संस्था का उद्देश्य आपसी सामंजस्य एवं सौहार्द बढ़ाना है ताकि हम तथा हमारी भावी पीढ़ी अपने क्षेत्रवासियों से परिचित हो सके। उन्होंने कहा कि मुनिश्री पुलकित कुमार जी की प्रेरणा से संगठन का गठन हुआ और मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि आप सभी की उम्मीदों पर खरा उतरकर आप सभी के सहयोग से इस संस्था का विकास कर संकू। इस बैठक में आगामी आयोजनों, गतिविधियों पर चिंतन हुआ एवं निर्णय लिए गए। बैठक में भविष्य में संगठन के नेतृत्व में एक विशाल परिचय सम्मेलन करने की घोषणा हुई। इस कार्यकाल की व्यवस्थाओं हेतु अनेक सदस्यों ने आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की। ङ्ग उपाध्यक्ष पवन चौपड़ा ने संगठन हेतु संविधान बनाने की प्रक्रिया हेतु जानकारी दी । संगठन मंत्री भूपेंद्र रायसोनी ने संवैधानिक बिंदु पर जानकारी दी। कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया ने उपस्थित जनों से हर संभव सहयोग देने की अपील की। बैठक में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, महावीरचंद धोका, हितेश गिरिया, ज्योति संचेती, नीता गादिया, नरेंद्र धोका, अशोक नाहर, शांतिलाल भंसाली, प्रसन्न धोका, सुधीर पोखरणा, विक्रम सेठिया ने अपने विचार एवं सुझाव रखे। शांति सकलेचा ने स्वरचित गीतिका का संगान किया । बैठक में संगठन के पदाधिकारी, परामर्शक गण, कार्य समिति सदस्य, प्रवृत्ति प्रभारी, युवा विंग, महिला विंग तथा सहयोगी उपस्थित थे। उपाध्यक्ष विनोद छाजेड़ ने धन्यवाद दिया। मंत्री नवनीत मुथा ने संचालन किया ।

जीतो जीबीएन स्वयम् वी-प्रेन्योर्स का व्यवसायिक मिलन आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग के जीबीएन स्वयम वी–प्रेन्योर्स समूह का द्विमासिक व्यवसायिक मिलन आयुषी मेहता के इंटीरियर स्टूडियो में आयोजित हुआ। रेफरल हेड निशा कोठारी ने सभी का स्वागत किया।

सदस्यों ने अपने व्यवसायों का संक्षिप्त परिचय दिया। बैठक के दौरान सात रेफरल साझा किए गए। रेफरल लीड राजुल धोका ने कहा कि समूह में बिज़नेस एक्सचेंज की संस्कृति को मजबूत आधार दिया गया है। सचिव सलोनी नेतानी ने विभिन्न जानकारियां दी। ऑफिस दर्शन के दौरान सदस्यों ने एम. क्यूब स्पेसेज के बारे में जाना। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी और मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने अपने शुभकामनाएं दी।

भारत के प्रौद्योगिकी बदलाव के लिए भरोसेमंद, जिम्मेदार एआई का इस्तेमाल जरूरी : गूगल इंडिया प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रौद्योगिकी बदलाव के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का जिम्मेदारी तथा भरोसे के साथ इस्तेमाल बहुत जरूरी है और इस काम में शामिल सभी हितधारकों का दायित्व है कि वे सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करें। गूगल इंडिया की देश प्रबंधक प्रीति लोबाना ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। उन्होंने 'विकसित भारत' की ओर देश के कदम का जिक्र करते हुए कहा कि एआई इस सफर में एक जरूरी नींव का काम करेगा, और इसे बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए भरोसा और सुरक्षा जरूरी हैं।

लोबाना ने यहां गूगल के 'सेफ एंड ट्रस्टेड एआई' कार्यक्रम में कहा, ''एआई को सच में अपनाने और रोजाना इस्तेमाल में लाने के लिए, हम सभी की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि यह सुरक्षित और भरोसेमंद हो।'' उन्होंने कहा कि एआई एक बदलाव लाने वाली प्रौद्योगिकी है जो इंसानी काबिलियत को सामने लाएगी, और भारत पीछे न रहते हुए इस क्रांति की अगुवाई कर रहा है।

देश की विविधता का जिक्र करते हुए लोबाना ने कहा, ''भारत की जटिलता दुनिया को यह दिखाएगी कि तकनीक कैसे बड़े पैमाने पर असर डाल सकती है और यहां तक कि सबसे मुश्किल प्रणालीगत मुद्दों को भी हल कर सकती है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई एक बड़ी छलांग का वादा करता है, लेकिन तरक्की भरोसे और सहयोग की नींव पर होनी चाहिए।

भजन संध्या में गूंजा 'गाय की उपयोगिता' का राग

संतों व अतिथियों ने गौसेवा की प्रेरणा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ओंकारेश्वर गौ सेवा प्रतिष्ठान द्वारा उत्तरहल्ली स्थित ओमकार हिल्स में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें ओमकार मठ के प्रमुख मधुसूदन आनंद पुरीजी, संत निर्मलनाथजी, संत पुखराजजी एवं अनेक संतों का सान्निध्य मिला। कार्यक्रम में गायक कलाकार ओम मुंडेल एवं सुरेश पारीक ने भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रकाश चौहान, सुरेश सेंणचा उपस्थित थे। संत, महात्माओं एवं अतिथियों ने गाय की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए गो भक्तों को गौ सेवा से जुड़ने का आह्वान किया। मठ प्रमुख ने अतिथिगण एवं दानदाताओं का सम्मान किया ।

राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के घोड़े : भारत की घुड़सवार विरासत के जीते-जागते प्रतीक

नई दिल्ली/भाषा। भारत के राष्ट्रपति के प्रेसिडेंट्स बॉडीगार्ड में शामिल मशहूर घोड़े विराट, विक्रांत, एब्सोल्यूट, अर्जुन और ग्लोरियस केवल सामान्य अश्व नहीं हैं, बल्कि देश की घुड़सवार सैन्य विरासत की जीती–जागती मिसाल हैं। इन घोड़ों का अनुशासन, शान और उनकी पक्की वफादारी 'प्रेसिडेंट्स बॉडीगार्ड' (पीबीजी) के उसूलों को दिखाती है। पीबीजी भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंट है, जिसे 1773 में तत्कालीन गवर्नर–जनरल के अंगरक्षक (बाद में वायसराय के अंगरक्षक) के तौर पर बनाया गया था। पीबीजी प्रतिवर्ष लगभग 70 घुड़सवार सैन्य परेड और विस्तृत अभ्यास करते हैं। इनमें तीन मुख्य आयोजन शामिल हैं : गणतंत्र दिवस परेड, बीटिंग द रिट्रीट और संसद की शुरूआत (जब राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हैं।रेजिमेंट के कमांडेंट, कर्नल अमित बेरवाल ने बुधवार को बताया कि इनके अलावा पीबीजी द्वारा साप्ताहिक रूप से होने वाली औपचारिक गार्ड परिवर्तन परेड और राष्ट्रपति भवन में राष्ट्राध्यक्षों को एस्कॉर्ट करना भी शामिल है, जिसके माध्यम से उन्हें भारत की संस्कृति, गौरव और आतिथ्य का प्रदर्शन किया जाता है।

राष्ट्रपति भवन में भारत के सबसे विशिष्ट घुड़सवार सैनिकों और उनके 'अश्व योद्धाओं' की विरासत के बारे में जानकारी साझा करते हुए उन्होंने कहा कि इन घोड़ों की हर उपस्थिति अनुशासन, परंपरा और भव्य प्रदर्शन का एक सहज मिश्रण होती है, जिसे पूरे भारत और दुनिया भर में लाखों लोग देखते हैं। एक मीडिया संवाद में बेरवाल ने पीबीजी की अश्व परंपरा का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया, दैनिक प्रशासन और औपचारिक कद शामिल थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

मायुमं बेंगलूरु द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) बेंगलूरु ने राष्ट्रीय परियोजना 'नारी चेतना' के अंतर्गत 6 जरूरतमंद एवं पात्र महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की। पहले चरण में संस्था द्वारा 5 तथा गुरुवार को बीटीएम लेआउट में एक मशीन दी गई। इस पहल का उद्देश्य घरेलू हिंसा, एसिड अटैक, आर्थिक कठिनाई, विधवा या तलाक जैसी परिस्थितियों से जूझ रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करना था। इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, विनोद गर्ग सहित पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, स्नेह जाजू, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, लोकेश सांखला आदि उपस्थित थे।

कम्बल वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के सनातन सेवा संगठन के सदस्यों ने बढ़ती ठंड के मद्देनजर शहर के सार्वजनिक स्थलों पर कम्बल वितरित किए गए। सदस्यों ने बुधवार को मध्यरात्रि में रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, सड़क किनारे जाकर जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किए।

अमावस्या अन्नदान महाप्रसादी में हजारों लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रतिमाह अमावस्या पर अन्नदान करने वाली संस्था गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा गुरुवार को 95वां अन्नदान महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने बताया कि समिति के सदस्यों ने सामूहिक सहयोग से आयोजित इस अन्नदान कार्यक्रम में करीब 4 हजार से अधिक लोगों को अन्नदान किया। मैसूर बैंक सर्किल स्थित श्री हनुमानजी मंदिर के समीप हुए इस अन्नदान में समिति के कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, मनोहर बाफना, गौतमचंद छाजेड़, सूरज बंब, यशवंत सालेचा, मनु बाफना, अनिल पोकरणा, श्रुति जैन, रितु संचेती, सीमा मेहता, विनोद चोरड़िया आदि ने सहयोग किया।

गुलाब जैसे सभी को एक समान सुगंध देते हैं साधु-संत : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'संत चलते–फिरते तीर्थ के समान होते हैं, जिनकी चरण–रज से तीर्थ भी पावन हो जाते हैं। साधु–संत गुलाब के कोमल और सुगंधित फूल के समान होते हैं, वे जहां भी जाते हैं, वहां ज्ञान, धर्म, प्रेम, भक्ति और सेवा की सुगंध समान भाव से वितरित करते हैं। जिस प्रकार गुलाब का पुष्प बिना किसी भेदभाव के सभी को अपनी सुगंध देता है, उसी प्रकार साधु–संत, अमीर–गरीब, शिक्षित–अनभिज्ञ, बड़े–छोटे सभी को समभाव से कृपा, आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।' ये विचार डॉ. वरुण मुनि जी ने कृष्णगिरि धाम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संतों का प्रत्येक कदम लोक–कल्याणकारी होता है। वे नगर–नगर, ग्राम–ग्राम जाकर प्रवचन, सत्संग और धर्मप्रचार के माध्यम से प्रभु–भक्ति, नैतिकता, संयम और जीवन–मूल्यों की अमूल्य शिक्षा जन–जन तक पहुंचाते हैं। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रसंत उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी, डॉ. वरुण मुनिजी व रूपेश मुनिजी वर्ष 2025 का गांधीनगर चातुर्मास संपन्न कर कृष्णागिरी तीर्थ धाम पहुंचे। रूपेश मुनिजी ने भावपूर्ण भजनों द्वारा सभा को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उन्होंने कहा कि चाहे उत्तर भारत हो या दक्षिण भारत, तपस्या करने वालों, दान देने वालों और सेवा में तत्पर रहने वालों का अधिक से अधिक अनुमोदना करना ही उनकी विशेष भावना रहती है, जिससे समाज में प्रेरणा का संचार होता है। उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

झारखंड असेंबली स्पीकर रवींद्र नाथ महतो, राज्यसभा एमपी महुआ माझी के साथ रांची में एक सिंपोजियम के दौरान आदिवासी हॉकी खिलाड़ियों के साथ पोज देते हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**